ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज़

सच्ची खबर सबसे पहले

आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -37 | दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 14 मई से 20 मई (प्रत्येक गुरूवार) | पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

जहां कभी एम्बुलेंस पहुंचना भी सपना था, वहां अब डॉक्टर दे रहे दस्तक : बस्तर के जंगलों तक पहुंची स्वास्थ्य क्रांति

दिल्ली में बस्तर विकास मॉडल पर मंथन शाह से मुख्यमंत्री साय की अहम मुलाकात

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर बस्तर में तेजी से बदल रहे हालात और विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा उपस्थित थे। बैठक में विशेष रूप से बस्तर में चल रहे 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को बताया कि जिन इलाकों में कभी एम्बुलेंस पहुंचना भी मुश्किल माना जाता था, वहां अब डॉक्टर, दवाइयां और स्वास्थ्य टीमें नियमित रूप से पहुंच रही हैं। दूरस्थ गांवों में पैदल जाकर लोगों की जांच की जा रही है और गंभीर बीमारियों की समय रहते पहचान कर निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। मात्र एक महीने में 21.86 लाख से ज्यादा लोगों की स्वास्थ्य जांच हो चुकी है और उनके डिजिटल स्वास्थ्य प्रोफाइल तैयार कर लिए गए हैं। हजारों मरीजों को समय पर उपचार और उच्च अस्पतालों में रेफर किया गया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर में अब पुराने सुरक्षा शिविर केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रह गए हैं। इन्हें धीरे-धीरे जन सुविधा केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां गांव के लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, बैंकिंग और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जरूरी सुविधाएं एक ही स्थान पर मिल रही हैं। इन केंद्रों के जरिए दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को पहली बार कई बुनियादी सेवाएं आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। ग्रामीण अब इलाज, बैंक खाते, दस्तावेज और सरकारी योजनाओं की जानकारी के लिए दूर-दूर तक भटकने को मजबूर नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान की शुरुआत 13 अप्रैल 2026 से सुकमा से हुई है। इस अभियान में 36 लाख लोगों को लक्षित किया गया है। इसके अलावा बस्तर मुन्ने (अग्रणी बस्तर) अभियान के जरिए 31 महत्वपूर्ण योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम तेजी से चल रहा है। जगदलपुर में नया सुपर स्पेशलिटी अस्पताल शुरू हो गया है, जहां अब बस्तर के लोगों को महंगे इलाज के लिए रायपुर या बिलासपुर नहीं जाना पड़ेगा।

डायल-112 की नेक्स्ट जेन सेवा का विस्तार और पुराने सुरक्षा शिविरों को जन सुविधा केंद्र में बदलने की योजना भी बस्तर के स्थायी विकास की दिशा में अहम कदम हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो इलाके कभी नक्सल प्रभाव के कारण मुख्यधारा से कटे हुए थे, वहां आज सरकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है।

हाल ही में सुकमा के एक अत्यंत दुर्गम गांव से गंभीर मरीज को सैकड़ों किलोमीटर दूर अस्पताल पहुंचाकर उपचार दिलाना इस बदलाव का बड़ा उदाहरण बना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को बस्तर के लिए तैयार विकास रोडमैप की जानकारी दी। इसमें सड़क, शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन से बस्तर में तेजी से सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बस्तर में हो रहे विकास कार्यों और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की सराहना की।

देवास में पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, कई घायल

देवास। मध्यप्रदेश के देवास जिले में एबी रोड स्थित टोंककला क्षेत्र में संचालित एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट से इलाके में दहशत फैल गई। हादसे में कई मजदूरों के घायल होने की सूचना है, जबकि कुछ लोगों के हताहत होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि प्रशासन की ओर से अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के मकानों तक में कंपन महसूस किया गया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी और भगदड़ का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर घायलों को बाहर निकालने में मदद की। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए खुले में बारूद रखकर पटाखे बनाने का काम किया जा रहा था। उनका कहना है कि इस संबंध में पहले भी शिकायतें की गई थीं, लेकिन जिम्मेदार विभागों द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

ग्रामीणों में हादसे को लेकर आक्रोश देखा जा रहा है। कुछ लोगों ने फैक्ट्री संचालक पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। वहीं फैक्ट्री को कथित राजनीतिक संरक्षण मिलने संबंधी चर्चाएं भी क्षेत्र में चल रही हैं, हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों के अनुसार घटना के बाद प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं तथा राहत एवं बचाव कार्य जारी है। मामले की जांच की जा रही है।

फैक्ट्री विस्फोट पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जताया शोक

रायपुर। मध्य प्रदेश के देवास जिले में पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट की घटना को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरा शोक व्यक्त किया है। इस दर्दनाक हादसे में हुई जनहानि को उन्होंने अत्यंत दुःखद और पीड़ादायक बताया है। मुख्यमंत्री साय ने अपने शोक संदेश में कहा कि इस हादसे में दिवंगत हुए लोगों के प्रति वे विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रभु श्रीराम से प्रार्थना करते हुए कहा कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवारों को यह असहनीय दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। साथ ही उन्होंने हादसे में घायल सभी लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की।

केरल में सतीशन कांग्रेस विधायक दल के नेता

नयी दिल्ली। केरल में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी डी सतीशन को पार्टी विधायक दल का नेता घोषित किया गया है।

कांग्रेस की केरल प्रदेश प्रभारी दीपादास मुंशी ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि श्री सतीशन को केरल में पार्टी विधायक दल का नेता बनाया गया है। इस मौके पर उनके साथ केरल के लिए नियुक्त किये गये केन्द्रीय पर्यवेक्षक अजय माकन और मुकुल वासनिक भी मौजूद थे। दास मुंशी ने बताया कि गत सात मई को तिरुवनंतपुरम में पार्टी विधायक दल की बैठक में नेता चुनने का अधिकार पार्टी हाईकमान को दे दिया गया था। इसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में पार्टी के नेता राहुल गांधी, केन्द्रीय पर्यवेक्षकों तथा केरल के पार्टी सांसदों और अन्य वरिष्ठ नेताओं से विचार विमर्श किया। इस सब के बाद सतीशन का नेता पक्ष के लिए तय किया गया है।

उल्लेखनीय है कि केरल में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन (यूडीएफ) को 140 सीटों में से 102 सीटों के साथ दो तिहाई से अधिक बहुमत मिला है। पार्टी को राज्य में 10 वर्षों के बाद सरकार बनाने का मौका मिला है। इस जीत में सतीशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। नेता पक्ष की दौड़ में रमेश चेनीथल्ला, के सी वेणुगोपाल भी शामिल थे।

सोलह राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में होगा एसआईआर

नयी दिल्ली। आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के चरण-3 को 16 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों में चरणबद्ध तरीके से आयोजित करने का निर्णय लिया है।

चुनाव आयोग ने गुरुवार को बताया कि एसआईआर के चरण-3 को 16 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों में चरणबद्ध तरीके से आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। यह कार्यक्रम जनगणना के तहत चल रही घर-घर सूचीकरण प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। आयोग ने बताया कि चरण-3 के तहत हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को छोड़कर लगभग पूरे देश को कवर किया जाएगा।

इन क्षेत्रों में मौसम और हिमपात की स्थिति को देखते हुए बाद में कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। इस अभियान के दौरान 3.94 लाख से अधिक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर करीब 36.73 करोड़ मतदाताओं से संपर्क करेंगे। उनके सहयोग के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट भी तैनात रहेंगे। आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलए नियुक्त करने की अपील की है, ताकि प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और सहभागिता के साथ संपन्न हो सके। आयोग ने कहा कि पहले दो चरणों में 13 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में लगभग 59 करोड़ मतदाताओं को कवर किया गया था। जहां 6.3 लाख से अधिक बीएलओ और 9.2 लाख बीएलए विभिन्न चरणों में शामिल रहे। चरण-3 के कार्यक्रम के अनुसार ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन पांच जुलाई को होगा। जबकि अंतिम मतदाता सूची 06 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी।

पेट्रोल, डीजल, एलपीजी के दाम बढ़ने से अप्रैल में थोक मुद्रास्फीति आठ प्रतिशत के पार

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण थोक बाजार में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) की कीमतों में भारी उछाल के परिणामस्वरूप अप्रैल में थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर साढ़े तीन साल के उच्चतम स्तर 8.3 प्रतिशत पर पहुंच गयी।

अक्टूबर 2022 (8.39 प्रतिशत) के बाद पहली बार थोक महंगाई आठ फीसदी के पार दर्ज की गयी है। इससे पहले मार्च 2026 में थोक महंगाई दर 3.88 प्रतिशत रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2025 की तुलना में इस साल अप्रैल में पेट्रोल की थोक कीमत 32.40 प्रतिशत बढ़ गयी। डीजल की महंगाई दर 25.19 प्रतिशत और रसोई गैस (एलपीजी) की 10.92 प्रतिशत पर रही। कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस की थोक महंगाई दर 67.18 प्रतिशत दर्ज की गयी। इस वर्ग में कच्चा तेल 88 फीसदी महंगा हुआ। तिलहनों के दाम भी 22.24 प्रतिशत और खनिजों के 12.15 प्रतिशत बढ़े। खाने-पीने की चीजें सस्ती हुई हैं। आलू की कीमत एक साल पहले के मुकाबले 30 प्रतिशत और टमाटर की 26 प्रतिशत घट गयी।

दालें भी चार फीसदी सस्ती हुई हैं। अनाजों के दाम भी घटे हैं। सब्जियों के दाम में 0.53 प्रतिशत की मामूली सालाना वृद्धि दर्ज की गयी। फल 0.21 प्रतिशत सस्ते हुए। वहीं, अंडा, मांस और मछली के दाम 6.68 प्रतिशत और दूध के 2.56 प्रतिशत बढ़ गये। विनिर्मित वस्तुओं में कपड़ों की थोक महंगाई दर 7.30 प्रतिशत रही। तंबाकू उत्पाद 5.67 प्रतिशत महंगे हुए। रसायन और रसायन उत्पादों के दाम एक साल पहले के मुकाबले 5.09 प्रतिशत बढ़े।

छत्तीसगढ़ के कई जिलों में पेट्रोल-डीजल की किल्लत, पंपों पर लगी लंबी कतारें

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति प्रभावित होने से राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में ईंधन संकट गहराने लगा है। स्थिति यह है कि अनेक पेट्रोल पंपों का स्टॉक समाप्त हो चुका है, जबकि जहां सीमित मात्रा में ईंधन उपलब्ध है वहां वाहन चालकों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। कई स्थानों पर निर्धारित सीमा में ही पेट्रोल और डीजल दिया जा रहा है।

जिले के करीब 13 पेट्रोल पंपों में पेट्रोल और डीजल का स्टॉक खत्म होने की जानकारी सामने आई है। कई पंपों पर ''नो पेट्रोल'' और ''नो डीजल'' के बोर्ड लगाए गए हैं। शेष पंपों में सुबह से ही वाहनों की लंबी लाइनें लगी रहीं। ईंधन संकट का असर आम नागरिकों के साथ परिवहन सेवाओं, निजी संस्थानों तथा सरकारी विभागों पर भी दिखाई देने लगा है। दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा जिले में भी डीजल की भारी कमी दर्ज की गई है। अधिकांश पेट्रोल पंपों में डीजल समाप्त होने से परिवहन कारोबार प्रभावित हो रहा है। मालवाहक वाहनों के संचालन पर असर पड़ने लगा है और परिवहन व्यवसायियों में चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो परेशानी और बढ़ सकती है। महासमुंद शहर और आसपास संचालित आठ पेट्रोल पंपों में अधिकांश का स्टॉक खत्म हो चुका है।

केवल मचेवा स्थित शंकरा फ्यूल्स में सीमित मात्रा में पेट्रोल और डीजल उपलब्ध होने से वहां वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं। जानकारी के अनुसार कई प्रमुख पेट्रोल पंप पहले ही बंद हो चुके हैं, जबकि अन्य पंपों का स्टॉक भी समाप्त हो गया है। सीमित उपलब्धता को देखते हुए दोपहिया वाहनों को दो लीटर तथा चारपहिया वाहनों को पांच लीटर तक ही ईंधन दिया जा रहा है। प्रदेश में ईंधन आपूर्ति बाधित होने से आम जनजीवन के साथ परिवहन व्यवस्था पर भी असर पड़ने लगा है।

लोग जल्द आपूर्ति बहाल होने की उम्मीद कर रहे हैं।

सुरक्षा परिदृश्य के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा अब पुराने तरीकों पर निर्भर नहीं रह सकती

तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में पुराने तरीकों पर निर्भर नहीं रह सकते : राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए विभिन्न हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय को मजबूत करने का आह्वान किया है और कहा है कि तेजी से बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा अब पुराने तरीकों पर निर्भर नहीं रह सकती। सिंह ने प्रमुख रणनीतिक संवाद 'कलम और कवच' में अपने वर्चुअल संदेश में कहा कि इस मंच का नाम ही देश के भविष्य के सुरक्षा ढांचे की सशक्त दृष्टि को दर्शाता है। रक्षा मंत्री ने कहा , कलम विचारों, तर्क और आगे की सोच रखने के साहस का प्रतीक है। कवच शक्ति, सुरक्षा और राष्ट्र की रक्षा करने की क्षमता का प्रतीक है। जो देश स्पष्ट रूप से सोच सकता है और मजबूती से अपनी रक्षा कर सकता है, वही दुनिया में ऊंचा खड़ा होता है। हम ऐसे ही भारत के निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं। वैश्विक संघर्षों के बदलते स्वरूप पर सिंह ने कहा कि दुनिया भर में रणनीतिक परिदृश्य लगातार अधिक अनिश्चित, प्रतिस्पर्धी और प्रौद्योगिकी-आधारित होता जा रहा है।उन्होंने भू-राजनीतिक तनाव, संघर्ष, साइबर खतरे, आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरी और हाइब्रिड युद्ध के उभरते स्वरूपों को देशों के सामने मौजूद प्रमुख चुनौती बताया। उन्होंने कहा, ऐसी दुनिया में राष्ट्रीय सुरक्षा पुराने आयामों पर आधारित नहीं रह सकती। इसके लिए हमारी तैयारी, लचीलापन, नवाचार और रणनीतिक आत्मविश्वास आवश्यक है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के महत्व पर जोर देते हुए सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक लक्ष्य नहीं बल्कि भारत के लिए रणनीतिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा, जो राष्ट्र महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं के लिए अत्यधिक रूप से दूसरों पर निर्भर रहता है, वह संकट के समय कमजोर बना रहता है। हमें अपने राष्ट्रीय तंत्र के भीतर ही प्रमुख प्रणालियों का डिज़ाइन, विकास, उत्पादन, रखरखाव और उन्नयन करना होगा। इसी तरह हम अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को सुरक्षित रख पाएंगे। रक्षा मंत्री ने विभिन्न हितधारकों के बीच अधिक समन्व्य की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि आधुनिक युद्ध में कई क्षेत्रों के बीच निरंतर समन्वय जरूरी है।

समय पूछने के बहाने महिला को चलती बस में खींचकर ले जाया गया, दो घंटे तक उसके साथ किया गया दुर्व्यवहार

नयी दिल्ली। एक भयावह घटना ने राष्ट्रीय राजधानी को एक बार फिर झकझोर दिया है।

दिल्ली के रानी बाग इलाके में एक चलती स्लीपर बस के अंदर 30 वर्षीय महिला का अपहरण कर सामूहिक बलात्कार किया गया। पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल की गई बस को जब्त कर लिया है और पीड़िता के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पीतमपुरा की एक झुग्गी बस्ती निवासी पीड़िता और मंगोलपुरी की एक फैक्ट्री में काम करती है। रात की शिफ्ट खत्म करने के बाद वह घर जा रही थी जब वह सरस्वती विहार के बी-ब्लॉक बस स्टैंड पर पहुंची। वहां एक स्लीपर बस खड़ी थी। जब उसने बस के दरवाजे पर खड़े एक युवक से समय पूछा, तो आरोपियों ने जवाब देने के बजाय उसे जबरदस्ती बस के अंदर खींच लिया। पीड़िता के अनुसार, जैसे ही उसे बस में घसीटा गया, आरोपियों ने दरवाजा बंद कर दिया और चालक को बस चलाने का निर्देश दिया। चलती बस के अंदर, दो लोगों ने उसके साथ बार-बार बलात्कार किया। यह त्रासद घटना लगभग 7 किलोमीटर तक नांगलोई मेट्रो स्टेशन तक जारी रही। लगभग दो घंटे तक यौन उत्पीड़न करने के बाद, आरोपियों ने उसे खून से लथपथ हालत में रात करीब 2 बजे सड़क पर फेंक दिया। और फरार हो गए। हमले के तुरंत बाद पीड़िता ने पुलिस को फ ोन किया।

अवैध रेत उत्खनन पर खनिज विभाग की कार्रवाई नदी में बना रैम्प काटकर किया गया अवरुद्ध

बलौदाबाजार। जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर खनिज विभाग द्वारा कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में तहसील लवन के ग्राम तिल्दा के महानदी में अवैध रेत उत्खनन पर खनिज विभाग द्वारा विगत गुरुवार को निरीक्षण किया। मौक़े पर अवैध उत्खनन या परिवहन होना नही पाया गया,लेकिन मौके पर उत्खनन करने के उद्देश्य से नदी में पहुंचने हेतु रैम्प का निर्माण होना पाया गया, जिसे जेसीबी मशीन से काटकर मार्ग अवरूद्ध किया गया,ताकि भविष्य में रेत की चोरी ना हो सके। जांच के दौरान मौके पर उपस्थित ग्रामीण सुरेश डहरिया, विष्णु डहरिया, चिंतामणी घृतलहरे, सत्या डहरिया एवं दीप सिंह डहरिया के द्वारा बताया गया कि गांव के सरपंच द्वारा प्रति ट्रेक्टर रेत भरने के एवज में 200 रुपए ट्रेक्टर चालकों से वसूल किया जाता है। जिस हेतु खनिज विभाग द्वारा छ.ग. पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा-40 के तहत् सरपंच ग्राम पंचायत तिल्दा के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने हेतु जिला पंचायत एवं संबंधित अनुविभागीय अधिकारी को पत्र लिखा गया है। इसके पूर्व 29 अप्रैल को तिल्दा क्षेत्र का जांच किया गया, जांच के दौरान 4 नग मय रेत ट्राली सहित ट्रेक्टर नदी क्षेत्र में खनिज रेत के अवैध उत्खनन,निकासी के दृष्टिकोण से रेत लोड करते पाये गये। उत्खननकर्ताओं के पास वैध खनिज अनुमति दस्तावेज, अभिवहन पारपत्र नही होने के फलस्वरूप वाहनों को खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा-21 (4) सहपठित छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के नियम-71 एवं छत्तीसगढ़ खनिज (खनन, परिवहन तथा भंडारण) नियम, 2009 के नियम-4(3) के तहत जब्त कर थाना लवन में सुरक्षार्थ सुपुर्द किया जाकर अवैध उत्खनन का प्रकरण दर्ज किया गया।

ईशान वैष्णव ट्रक मालिक संघ के जिला अध्यक्ष नियुक्त

बलौदाबाजार। जिला बलौदाबाजार भाटापारा के जिला स्तरीय ट्रक मालिक संघ की आवश्यक बैठक आहूत की गई, जिसमें कैबिनेट मंत्री एवं विधायक टंकराम वर्मा की सहमति पर जिला पंचायत के सभापति ईशान वैष्णव को ट्रक मालिक संघ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। आहूत बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष एवं ट्रक मालिक संघ के संरक्षक अशोक जैन ने अध्यक्ष चयन प्रक्रिया में ईशान वैष्णव के नाम को प्रस्तावित किया गया जिस पर सभी ट्रक मालिक संघ के सदस्यों ने अपनी सहमति देते हुए सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर चयनित किया गया। ट्रक मालिक संघ जिला बलौदा बाजार भाटापारा के संरक्षक अशोक जैन, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, सुधीर अग्रवाल, गणेश जायसवाल, संजीव सिंह, सनोज सिंह ने संघ के नियमों एवं दिशा निर्देशों पर कार्य किए जाने का विश्वास व्यक्त करते हुए बधाई दी गई, व समय समय पर संघ द्वारा हितों के अनुरूप कार्य करने की बात भी कही गई। ट्रक मालिक संघ जिला बलौदा बाजार भाटापारा के नवनियुक्त अध्यक्ष ईशान वैष्णव को सर्व सम्मति से जिला अध्यक्ष नियुक्त किये जाने पर संघ के सदस्य गण एवं संरक्षकों ने पुष्प माला एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर अभिनंदन करते हुए बधाई दी गई, ट्रक मालिक संघ की आहूत बैठक में नाना देशमुख, धीरज साहू, अमित यादव, संतोष ठाकुर, राजू पारवानी, सुधीर जैन, मुकेश पंजवानी, भानु चंद्राकर,देवेंद्र वर्मा, बी.पी. साहू, राकेश ध्रुव, रवि साहू, मयूर जैन, ध्यानु गुप्ता, जितेंद्र सिंह, मनोज साहू, अमन सेन, फिरोज खान, जयंत यादव, प्रतीक जैन, के द्वारा नियुक्ति पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

जनसमस्या निवारण शिविर बना सुशासन और जनसेवा का सशक्त मंच

विधायक दीपेश साहू ने सुनीं आमजन की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बेमेतरा। आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद बेमेतरा द्वारा बेसिक स्कूल मैदान स्थित गांधी भवन में भव्य जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और जनसेवा का प्रभावी उदाहरण बनकर उभरा, जहां बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं और मांगें लेकर पहुंचे। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 01 से 07 तक के नागरिकों ने शिविर में भाग लेकर अपनी विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं से प्रशासन को अवगत कराया। शिविर में प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभागों द्वारा मौके पर कार्रवाई की गई, जिससे आमजन में संतोष और उत्साह देखने को मिला 7 कार्यक्रम मे विधायक साहू स्वयं शिविर में पहुंचे और आमजन की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से आवेदनों के निराकरण की विस्तृत जानकारी लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर त्वरित रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत सेतु है। ऐसे शिविरों के माध्यम से प्रशासन स्वयं जनता तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहा है, जिससे लोगों का शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हो रहा है।

जनता की सेवा ही हमारा संकल्प है : विधायक दीपेश साहू

शिविर को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति अपने अधिकार और सुविधा के लिए भटकने को मजबूर न हो, यही सुशासन का मूल उद्देश्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ कार्य किया जाए ताकि लोगों को त्वरित राहत मिल सके। विधायक साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवा और बुजुर्ग सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आम नागरिकों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा किसी भी समस्या के लिए प्रशासन से सीधे संपर्क करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन का दायित्व है कि वे जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरें और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएं।

विभिन्न विभागों के स्टॉल बने आकर्षण का केंद्र

शिविर में कार्यपालन अभियंता, पुलिस विभाग, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, लीड बैंक, लोक निर्माण विभाग, वन विभाग, पशुधन विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) सहित विभिन्न विभागों द्वारा जानकारी एवं सेवा शिविर लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया गया। शिविर में नोनी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को लाभ वितरण किया गया। साथ ही आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए तथा बालिकाओं को पासबुक वितरित की गई।

सुशासन और जनकल्याण की दिशा में प्रभावी पहल

शिविर में वार्ड क्रमांक 01 से 07 तक के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाया। जनसमस्या निवारण शिविर जनसेवा, सुशासन और संवेदनशील प्रशासन की दिशा में एक प्रभावी एवं सराहनीय पहल के रूप में सफल रहा।

मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को विधायक दीपेश साहू द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी कुंजी है और मेहनत, अनुशासन तथा लगन से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

जनता और शासन के बीच मजबूत हो रहा विश्वास : नगर पालिका अध्यक्ष

नगर पालिका अध्यक्ष सिन्हा ने भी शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की संयुक्त पहल से आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों से न केवल लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है, बल्कि शासन के प्रति जनता का विश्वास भी लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए आमजन की समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

सुशासन और जनकल्याण की दिशा में प्रभावी पहल

शिविर में वार्ड क्रमांक 01 से 07 तक के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाया। जनसमस्या निवारण शिविर जनसेवा, सुशासन और संवेदनशील प्रशासन की दिशा में एक प्रभावी एवं सराहनीय पहल के रूप में सफल रहा।

ब्रह्मा कुमारीज़ ज्ञानांजलि भवन में हुआ नन्हें सितारें समर कैम्प का आयोजन

दल्लीराजहरा। ब्रह्मा कुमारीज़ ज्ञानांजलि भवन में 8 मई को नन्हें सितारें समर कैम्प का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया जिसमें दल्लीराजहरा की संचालिका ब्रह्मा कुमारी पूर्णिमा , और ब्रह्मा कुमारी स्वर्णा बहन, ब्रह्मा कुमारी आशा बहन,समाज सेवी छत्तीसगढ़ रत्न डॉक्टर शिरोमणि माथुर ,टी आर राणा डे ,गीता मरकाम ,गोपेश सोनवानी ,ब्रह्मा कुमारी प्रथा ,ब्रह्मा कुमारी मुस्कान इन सभी ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया। ब्रह्मा कुमारी पूर्णिमा ने बताया कि यह कार्यक्रम 8 मई से 14 मई तक चलेगा जिसका समय सुबह 9 बजे से 10 -30 बजे तक रहेगा जिसमें 5 वीं से वीं के सभी बच्चें भाग ले सकते हैं। इस समर कैंप में बच्चों को चित्रकला, नाटक, खेल, कविता, संगीत आदि सिखाया जाता है व्यक्तित्व विकास,बौद्धिक विकास, नैतिक मूल्य, चारित्रिक विकास इन सभी पर विशेष मार्ग दर्शन प्रदान किया जायेगा।

खरीफ सीजन हेतु समितियों में 28899 मेट्रिक टन उर्वरक भण्डारित, डीएपी के वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग पर जोर

बलौदाबाजार। जिले में आगामी खरीफ सीजन के लिये समितियों में उर्वरक भण्डारण किया जा रहा है। जिले को यूरिया 42930, डीएपी 16500, पोटाश 3500, एसएसपी 8000 तथा एनपीके 14500 कुल 85430 मिट्रिक टन का उर्वरक लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके विरुद्ध उर्वरक भण्डारण यूरिया 15390, डीएपी 3692, पोटाश 1859, एसएसपी 3994 तथा एनपीके 3964 कुल 28899 मिट्रिक टन हो चुका है। अब तक यूरिया 1660, डीएपी 392, पोटाश 1764, एसएसपी 233 तथा एनपीके 226 कुल 2553 मिट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। जिले में उर्वरक भण्डारण वितरण का कार्य निरंतर जारी है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार केवल डी.ए.पी. पर निर्भर रहना न केवल जोखिम भरा है, बल्कि इससे मिट्टी का संतुलन भी बिगड़ सकता है। बेहतर फसल उत्पादन और मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए संतुलित उर्वरकों का उपयोग बेहद जरूरी है। धान जैसी प्रमुख खरीफ फसल के लिए यूरिया, सुपर फॉस्फेट, पोटाश और एन.पी.के. जैसे उर्वरकों का सही मात्रा में प्रयोग करना लाभकारी साबित होता है तथा डीएपी पर निर्भरता कम कर इसे वैकल्पिक उर्वरक के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही कृषकों को नील हरित काई, हरी खाद तथा जैव उर्वरक (बायो-फर्टिलाइजर्स) का उपयोग करने हेतु भी सलाह दिया गया है, जो की रासायनिक उर्वरको के निर्भरता पर कमी लाएगी।किसान बोरियों वाली खाद के स्थान पर नैनों यूरिया एवं नैनो डीएपी (तरल) को प्राथमिकता दें। यह न केवल परिवहन में आसान है बल्कि इसकी उपयोग क्षमता 90 प्रतिशत तक है। इसके छिड़काव से फसल को सीधा पोषण मिलता है और जमीन भी खराब नहीं होती। उप संचालक कृषि दीपक कुमार नायक ने बताया कि डी.ए.पी. की एक बोरी के बराबर पोषक तत्व अन्य विकल्पों से भी प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि 1 बोरी डी.ए.पी. के स्थान पर 3 बोरी एस.एस.पी. के साथ 20-25 किलो यूरिया, या 1.5 बोरी एन.पी.के. या 2 बोरी अमोनियम फॉस्फेट सल्फेट का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा 1 बोरी टी.एस.पी. के साथ 2 बोतल नैनो यूरिया (500 मि.ली.) और 2 बोतल नैनो डी.ए.पी. (500 मि.ली.) भी प्रभावी विकल्प हैं।

चिकन पॉक्स एवं उल्टी दस्त के मामले की सूचना तत्काल देने निर्देश

सरायपाली। स्वास्थ्य विभाग की ऑनलाइन समीक्षा बैठक में बीएमओ कुणाल नायक ने टीकाकरण से लेकर सुशासन तिहार तक दिए गए अहम दिशा-निर्देश सुशासन तिहार के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के उददेश्य से समस्त सुपरवाइजर एवं एलएचवी की ऑनलाइन बैठक बीईटीओ टी.आर. धृतलहरे द्वारा आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सुशासन तिहार के दौरान बिना पूर्व सूचना एवं अवकाश स्वीकृति के कोई भी अधिकारी-कर्मचारी मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे। वहीं एमआर अभियान अंतर्गत 23 मई से 31 मई 2026 तक छूटे हुए हितग्राहियों का शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन सुनिश्चित करने कहा गया। एचपीवी वैक्सीन को लेकर विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए। बताया गया कि वैक्सीन केवल मेडिकल ऑफिसर की उपस्थिति एवं अभिभावकों की सहमति से ही लगाया जाएगा। साथ ही खाली पेट, बुखार, एलर्जी अथवा अस्वस्थ बच्चों को वैक्सीन नहीं लगाने तथा बाएं हाथ के डेल्टाइड मसल्स में आईएम के रूप में लगाने के निर्देश दिए गए। सभी क्षेत्रों में इसके व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। बैठक में चिकन पॉक्स एवं उल्टी-दस्त के मामलों की तत्काल सूचना देने, वीएचएनडी सत्र सुबह 8 बजे से प्रारंभ करने तथा सभी लाभार्थियों की यू-विन पोर्टल में शत-प्रतिशत एंट्री सुनिश्चित करने कहा गया। वैक्सीनेशन पूर्व ड्यू लिस्ट तैयार करने, वैक्सीन की एक्सपायरी डेट एवं बैच नंबर रजिस्टर में दर्ज करने तथा ओपन वायल पॉलिसी का पालन करने के निर्देश भी दिए गए। फील्ड भ्रमण के दौरान मितानिनों की दवा पेटी जांचने, प्रत्येक सप्ताह एक रूका निरीक्षण कर रिपोर्ट ब्लॉक कार्यालय में जमा करने तथा एनसीडी स्क्रीनिंग एवं रि-स्क्रीनिंग की लंबित एंट्री पूर्ण कराने पर भी जोर दिया गया।

इसके अलावा एमडीआर एवं सीडीआर ऑडिट इस माह पूर्ण कराने, कुष्ठ एवं टीबी मरीजों को समय पर दवा उपलब्ध कराने तथा सीएचओ द्वारा टीबी मरीजों का प्रत्येक 15 दिन में गृह भ्रमण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सभी सुपरवाइजर एवं एलएचवी को अपने-अपने सेक्टर के आम में उपलब्ध टैबलेट एवं लैपटॉप की स्थिति तथा रिचार्ज संबंधी जानकारी इस सप्ताह उपलब्ध कराने कहा गया। संस्थागत प्रसव, जन्म-मृत्यु पंजीयन, जन्म प्रमाण पत्र एवं जेएसवाय फॉर्म किसी भी स्थिति में लंबित नहीं रखने के निर्देश भी दिए गए।

डिकेश्वर वर्मा को बलौदाबाजार प्रेस क्लब ने दी श्रद्धांजलि

बलौदाबाजार। समाचार पत्र वितरक डिकेश्वर वर्मा का आकस्मिक निधन हो गया। वे पिछले लगभग 40 वर्षों से सर्दी, गर्मी और बारिश जैसी हर परिस्थिति में निरंतर बलौदाबाजार शहर में अखबार वितरण का कार्य करते आ रहे थे। उनके निधन से पत्रकारिता जगत एवं शहरवासियों में शोक व्याप्त है। डिकेश्वर वर्मा को याद करते हुए बलौदाबाजार प्रेस क्लब में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जहां उपस्थित पत्रकारों एवं सदस्यों ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा उनके योगदान को स्मरण किया। प्रेस क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि डिकेश्वर वर्मा केवल समाचार वितरक नहीं थे, बल्कि वे प्रतिदिन पाठकों तक सही समय पर समाचार पहुंचाने वाले एक सच्चे कर्मवीर थे। उन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा समाचार सेवा को समर्पित कर दिया। इस दौरान प्रेस क्लब अध्यक्ष नरेश गनशानी, उपाध्यक्ष दिलीप महेश्वरी, सचिव दलजीत सिंह चावला, सहसचिव विजय तिवारी, कोषाध्यक्ष राजेश्वर गिरी, राघवेंद्र सिंह, गोविन्द रात्रे, राजकुमार वलेचा, श्रवण ध्रुव, प्रीतलाल कुर्रे, पुष्पकांत मेजर, आभाष शर्मा, मोहित मरकाम, तुलसी साहू, राजू पाल, किशोर बंजारे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता बेमेतरा का बारहवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

बेमेतरा। बेमेंतरा जिले व दाढ़ी क्षेत्र के एकमात्र सीबीएसई विद्यालय डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता बेमेतरा ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में एक बार फिर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार अंक प्राप्त कर न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण निर्मित हो गया। विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के प्राचार्य पी एल जायसवाल ने परीक्षा में सफल सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत, अनुशासन, लगन एवं विद्यालय के गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उत्कृष्ट शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहा है तथा भविष्य में भी इसी प्रकार विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने का कार्य निरंतर जारी रहेगा। बारहवीं बोर्ड परीक्षा में विद्यालय के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। विद्यालय के शीर्ष तीन विद्यार्थियों में उदयप्रकाश ने 91.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं आदित्य देवांगन ने 84.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर द्वितीय स्थान तथा गणेश निर्मलकर ने 75.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में विशेष उत्साह का माहौल देखा गया। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत सिद्ध होगी। साथ ही विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में भी विद्यार्थी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करते रहेंगे।

ईंधन बचत, गैर जरूरी खर्चों में कटौती करके राष्ट्र के प्रति अपना दायित्व निभाए : अंकिता मिश्रा

धमतरी। पश्चिम एशिया युद्ध के असर के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते युद्ध तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति और कीमतों को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बन रही है। ऐसी स्थिति में देश में संभावित पैट्रोल, डीजल एवं कमर्शियल गैस संकट को ध्यान में रखते हुए योगेश फाउंडेशन की संस्थापक एवं समाज सेविका अंकिता रत्नेश मिश्रा सहित उनके टीम के समस्त सदस्यों ने देश हित में एक सराहनीय निर्णय लेते हुए 17 मई को स्पेशल बस के द्वारा स्कूली बच्चों को राजिम, आरंग एवं अन्य पर्यटन स्थलों के पूर्व निर्धारित सामूहिक भ्रमण कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। फाउंडेशन के संस्थापक अंकिता मिश्रा एवं उनके सहयोगियों ने कहा कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में देश के संसाधनों पर अतिरिक्त भार न पड़े, इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करना चाहिए। इसी भावना से फाउंडेशन ने सामूहिक भ्रमण एवं व्यक्तिगत अन्य स्थानों के भ्रमण तथा अन्य गैर जरूरी खर्चों में भी कटौती करने का निर्णय लिया है। देश जब चुनौती पूर्ण परिस्थितियों से गुज़र रहा हो तब प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह संयम और जिम्मेदारी का परिचय दे। ईंधन की बचत और गैर जरूरी खर्चों में कटौती करके हम राष्ट्र के प्रति अपना कर्त्तव्य निभा सकते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील भी की कि वे डीजल, पेट्रोल एवं गैस का उपयोग अति आवश्यक कार्यों तक सीमित रखें, अनावश्यक यात्रा से बचे तथा ऊर्जा सरंक्षण के माध्यम से देश की आर्थिक मजबूती में सहयोग करें।

तारुण्य वार्ता हैशटैग पीरियड्स पर खुलकर अभियान का हुआ आगाज

धमतरी। मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के अंतर्गत तारुण्य वार्ता हैशटैग पीरियड्स पर खुलकर.. अभियान के साथ ही दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यूनिसेफ और भारत स्काउट्स एवं गाइड्सए छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में इसका आयोजन हो रहा है। रायपुर स्थित श्री बालाजी विद्या मंदिर में मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण प्राप्त करने राज्य के सभी जिलों से तीन. तीन की संख्या में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के जिला संगठन आयुक्त एवं लीडर्स जुटे हैं। जिला धमतरी से जिला संगठन आयुक्त गाइड हीना भेंसले की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि की आसंदी से छत्तीसगढ़ राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डा वर्णिका शर्मा ने कहा कि मासिक धर्म पर चुप्पी नहीं, जागरूकता और संवाद की आवश्यकता है। हर बेटी को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक माहवारी प्रबंधन का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने यूनिसेफ और भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा प्रारंभ किए गए अभियान की प्रशंसा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा ने कहा कि यूनिसेफ के साथ शुरू की गई मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन की इस मुहिम को पूरे छत्तीसगढ़ में हर वर्ग तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 28 मई को अभियान का समापन मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में होगा। यूनिसेफ की छत्तीसगढ़ हेड सीमा कुमार ने कहा कि यह गर्व की बात है कि आज हम लड़कियों की गरिमा, समानता और स्वास्थ्य सुरक्षा का अभियान शुरू कर रहे हैं। यह बालिकाओं के सशक्तिकरण का भी अभियान है। उन्होंने कहा कि यह अभियान माहवारी के मिथकों और अनावश्यक पाबंदियों को तोड़ने का काम करेगा। यह अभियान लड़कियों तक ही सीमित नहीं रहेगा, यह लड़कों को भी माहवारी के प्रति जागरूक करेगा और उनकी समझ को बढ़ाएगा तथा झिझक को दूर करेगा। सीमा कुमार ने मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन जैसे विषय को स्कूलों के पीटीएम के माध्यम से अभिभावकों तक पहुंचाने की मांग रखी। यूनिसेफ के व्यवहार परिवर्तन स्पेशलिस्ट अभिषेक सिंह ने अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस अभियान से माहवारी को लेकर किशोरों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता में वृद्धि होगी। मासिक धर्म स्वच्छता व्यवहार में सुधार आएगा और इस विषय पर बात करने की झिझक दूर होगी तथा भ्रांतियों में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान बालिकाओं के सशक्तिकरण पर भी जोर देगा। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान यूनिसेफ की बाल संरक्षण विशेषज्ञ चेतना देसाई, वाश स्पेशलिस्ट श्वेता पटनायक, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राष्ट्रीय मुख्यालय आयुक्त जी स्वामी, रेडक्रास सोसायटी के उपाध्यक्ष रूपेश पाणिग्रही, राज्य मुख्यालय आयुक्त रविश गुप्ता, स्टेट कोऑडिनेटर मेंबरशिप ग्रोथ मोहम्मद सादिक शेख भी मंचासीन रहे। शुभारंभ कार्यक्रम का संचालन राज्य प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट पूनम सिंह साहू ने किया तथा आभार राज्य संयुक्त सचिव बीना यादव द्वारा जताया गया। पहले दिवस का प्रशिक्षण यूनिसेफ के एसबीसी कंसलटेंट अभिषेक त्रिपाठी, वाश ऑफिसर बिरजा कबी सतपथी, आशिष कुमार द्वारा प्रदान किया गया। दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का संयोजन दिलीप पटेल द्वारा किया जा रहा है। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की राज्य प्रशिक्षण आयुक्त गाइड सरिता पाण्डेय, राज्य संगठन आयुक्त द्वय अमित क्षत्रिय, जलवती साहू सहित अन्य की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा ने मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन का संकल्प भी दिलाया। अतिथियों द्वारा पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

वनांचल की बेटियों के लिए 2 नई फ्री बसें अब पंडरिया में 10 बसों से शिक्षा को नई उड़ान

कवर्धा। बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण को केंद्र में रखकर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने एक और ऐतिहासिक पहल की है। आगामी शैक्षणिक सत्र से वनांचल क्षेत्र कुई-कुकदूर एवं कुंडा महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के लिए निःशुल्क बस सेवा प्रारंभ की जाएगी। इस निर्णय के साथ ही पंडरिया विधानसभा में संचालित फ्री बस सेवाओं की संख्या बढ़कर 10 हो जाएगी, जिससे अब तक 1000 से अधिक छात्राएं सीधे लाभान्वित हो चुकी हैं।

वनांचल और दूरस्थ गांवों की बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। कई बार परिवहन सुविधा की कमी और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण उनकी पढ़ाई प्रभावित होती थी। विधायक भावना बोहरा ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए यह संकल्प लिया कि कोई भी बेटी केवल दूरी या संसाधनों की कमी के कारण अपनी पढ़ाई से वंचित न रहे। इसी सोच के तहत दो नई बस सेवाओं की शुरुआत की जा रही है।

गांव-गांव से महाविद्यालय तक सुरक्षित सफर

कुई-कुकदूर महाविद्यालय के लिए बस सेवा ग्राम अमनिया से प्रारंभ होकर नेऊर, कुशियारी, दमगढ़, लुढ़ुटोला, उपका, अमेरा और कुकदूर की छात्राओं को लेकर महाविद्यालय पहुंचेगी। वहीं कुंडा महाविद्यालय के लिए बस ग्राम पेंड्रीकला से चलकर बसनी, घोरपेंड्री, कोलेगांव, दामापुर, खैरातुलसी, कोदवाकला, पंवरजली, दुल्लीपारा, माकरी और खैलटुकरी की छात्राओं को सुरक्षित महाविद्यालय तक पहुंचाएगी। यह सेवा न केवल आवागमन की सुविधा देगी, बल्कि छात्राओं और उनके परिजनों में सुरक्षा और विश्वास की भावना भी मजबूत करेगी। अब बेटियां बिना किसी डर और आर्थिक बोझ के नियमित रूप से उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगी।

पूर्व की 8 बस सेवाएं भी जारी

विधायक भावना बोहरा द्वारा पहले से कवर्धा, सहसपुर लोहारा, पंडरिया, पांडातराई और पिपरिया महाविद्यालयों के लिए 8 निःशुल्क बसें संचालित की जा रही हैं, जो यथावत चलती रहेंगी। नई बसों के जुड़ने से पंडरिया विधानसभा में कुल 10 बसें छात्राओं की सेवा में रहेंगी। इस पहल का सकारात्मक असर भी सामने आया है। क्षेत्र में छात्राओं की ड्रॉपआउट दर में कमी आई है और अधिक से अधिक बेटियां अब महाविद्यालय पहुंच रही हैं। अभिभावकों ने भी विधायक की इस पहल को सराहते हुए कहा कि यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने का ठोस प्रयास है।

पंजीयन जून से, संपर्क नंबर जारी

निःशुल्क बस सेवा का लाभ लेने के लिए पंजीयन प्रक्रिया आगामी जून माह से शुरू होगी। छात्राएं अपने नजदीकी जनसेवा ही भावना सेवा सुविधा केंद्र (विधायक कार्यालय) से पंजीयन फॉर्म प्राप्त कर उसे भरकर जमा करेंगी। सत्यापन के बाद उन्हें पहचान पत्र जारी किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए छात्राएं एवं उनके परिजन मोबाइल नंबर 9754462000 और 9755359004 पर संपर्क कर सकते हैं। बसों की समय-सारिणी भी तय कर ली गई है, जिसकी विस्तृत सूचना शीघ्र जारी की जाएगी।

शिक्षा ही भविष्य की नींव

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि बेटियों की शिक्षा ही समाज के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता है कि पंडरिया विधानसभा की हर बेटी आत्मनिर्भर बने और अपने परिवार, समाज एवं प्रदेश का नाम रोशन करे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिला सशक्ति करण और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सकारात्मक कार्य हो रहे हैं। उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए पंडरिया विधानसभा में शिक्षा, सुरक्षा और सुविधा को एक साथ मजबूत किया जा रहा है।

केवल बस नहीं, समग्र विकास का अभियान

विधायक भावना बोहरा द्वारा क्षेत्र में 8 निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा, मोबाइल हेल्थ पैथ लैब, रायपुर में पंडरिया सेवा सदन, लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग और विभिन्न जनसुविधा केंद्रों के माध्यम से भी जनता को सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। स्पष्ट है कि यह पहल केवल एक परिवहन व्यवस्था नहीं, बल्कि वनांचल क्षेत्र की बेटियों को नई दिशा देने वाला सशक्त कदम है। अब पंडरिया विधानसभा में दूरी बाधा नहीं, बल्कि अवसर बन चुकी है–और सड़कों पर दौड़ती ये बसें बेटियों के सपनों को नई उड़ान दे रही हैं।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं 88 आवेदन प्राप्त

बेमेतरा। जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टरेट में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया। जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 88 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चालित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

सांस्कृतिक मंच एवं महाकाल द्वार हेतु भूमिपूजन नपंअध्यक्ष निधि एवं पार्षद निधि से होगा निर्माण

डोंगरगांव नगर। नगर के मटियावार्ड क्र 14 स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर परिसर में स्थित महिला भवन प्रांगण में सांस्कृतिक मंच एवं मेनगेट महाकाल द्वार का निर्माण सुनिश्चित हो गया है। नगर पंचायत अध्यक्ष निधि एवं वार्ड 14 के पार्षद निधि से होने वाले उक्त निर्माण हेतु मंगलवार को भूमिपूजन किया गया। उल्लेखनीय है कि सांस्कृतिक मंच निर्माण हेतु नगर पंचायत अध्यक्ष निधि से 2 लाख एवं वार्ड 14 के पार्षद निधि से 3 लाख की राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं परिसर में निकाय मद से महाकाल द्वार नाम से मेन गेट का निर्माण भी किया जा रहा है। भूमिपूजन अवसर पर सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण गुप्ता, नपं अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष दीना पटेल, पुर्व उपाध्यक्ष गुलशन हिरवानी, वार्ड 14 पार्षद व सभापति पुरुषोत्तम साहू, कृष्णकुमार शर्मा, श्रीमती एलन साहू, पुसऊ पटेल, कृष्णकुमार साहू, नूतन साहू, तोरण साहू, यशवंत साहू, भूमिका साहू, हिना साहू, सहित मंदिर समिति एवं वार्ड के गणमान्यजन उपस्थित थे।

कलेक्टर द्वारा आठ प्राचार्यों का निलंबन व चौदह प्राचार्यों का वेतन-वृद्धि रोकने का शिक्षक संघ ने किया विरोध

दल्लीराजहरा। बालोद जिला कलेक्टर के द्वारा आठ प्राचार्यों का निलंबन व चौदह प्राचार्यों का वेतन-वृद्धि रोकने का छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ पुरजोर विरोध करता है । छत्तीसगढ़ शिक्षक संघ के संभागीय अध्यक्ष भुवन सिन्हा ने शिक्षा मंत्री व सचिव स्कूल शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर बालोद जिला में कलेक्टर द्वारा की गई कार्यवाही पर विरोध व असंतोष जताया है । परीक्षा परिणाम में गिरावट के नाम पर प्राचार्यों के विरूद्ध कलेक्टर द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाही किया जाना सिविल सेवा नियमों के खिलाफ है। छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण)नियम 1965 और नियम 1966 के नियम 9 अनुसार द्वितीय श्रेणी राजपत्रित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही का अधिकार केवल राज्य सरकार को ही है । उल्लेखनीय है कि प्राचार्य द्वितीय श्रेणी राजपत्रित अधिकारी है ।केवल परीक्षा परिणाम में गिरावट को गंभीर कदाचरण मानकर सीधे अनुशासनिक कार्यवाही करना प्राकृतिक न्याय के खिलाफ भी है ।इस प्रकार अपने क्षेत्राधिकार से बाहर व अनाधिकार कार्यवाही से शिक्षकों में जहां एक ओर आक्रोश है वहीं दूसरी ओर शैक्षणिक अमले में असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो रहा है जो भविष्य में शैक्षणिक वातावरण के लिए हानिकारक है ।परीक्षा परिणाम में गिरावट के लिए केवल प्राचार्य को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। जिले भर में परीक्षा परिणाम में गिरावट के लिए क्या जिला शिक्षा विभाग के अधिकारी जिम्मेदारी नहीं है। वर्तमान में शिक्षा व्यवस्था छात्रों और शिक्षकों की योग्यता का आंकलन केवल परीक्षा परिणाम तक ही सीमित हो गया है जो शिक्षा का मानक मापदंड नहीं होना चाहिए। सिन्हा ने अपने पत्र में सचिव स्कूल शिक्षा विभाग से आग्रह किया है कि भविष्य में जिला प्रशासन को विभाग के राजपत्रित अधिकारियों के विरूद्ध सीधे ऐसी कार्यवाही से बचने का स्पष्ट निर्देश जारी किया जाए । माननीय न्यायालय ने ऐसे अनेक मामलों में टिप्पणी कर कलेक्टर द्वारा की गई कार्यवाही को रद्द कर चूका है । कलेक्टर बालोद द्वारा जारी अवैधानिक व विवाद को जन्म देने वाला आदेश निरस्त कर शिक्षकों का सम्मान को बहाल किया जाए ।

सेजेस सिंघौरी में पारदर्शिता पूर्ण लॉटरी प्रक्रिया सम्पन्न

बेमेतरा। सगेस सिंघौरी के प्रांगण में आयोजित लॉटरी प्रक्रिया आज दिनांक 12 मई 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह प्रक्रिया सुबह 8.00 बजे से शाला विकास समिति के अध्यक्ष टी.डी. मानिकपुरी जी एवं सदस्यगण, नीतू कोठारी(पार्षद) साथ ही साथ पालक गण उपस्थित रहे। संस्था के प्राचार्य संजय प्रसाद प्यासी जी एवं स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में पूरी पारदर्शिता के साथ की गई। सभी टिकटों को उपस्थित लोगों के सामने मिलाया गया और ड्रॉ बॉक्स से विजेता टिकट निकाले गए। इस लॉटरी प्रक्रिया में नाम आए छात्र/छात्राओं को अपने सारे डॉक्यूमेंट के साथ 15 दिनों के भीतर ऐडमिशन के लिए विद्यालय में संपर्क करें। पूरी विजेता सूची का कार्यालय के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है। लॉटरी प्रक्रिया में विद्यालय के व्याख्याता श्री राम गोपाल चंद्राकर जी, विनोद कुमार साहू व्याख्याता, माधुरी साहू व्याख्याता, समीर कुमार व्याख्याता, तुषार कुमार व्याख्याता, अनिल कुमार शिक्षक, वेदिका साहू शिक्षक,आशीष तिवारी सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षकीय की गरिमामय उपस्थिति रहीं।

जिले में 01 जनपद पंचायत सदस्य, 2 सरपंच एवं 21 पंच पदों के लिए होगा उप निर्वाचन

बेमेतरा। त्रिस्तरीय पंचायत अंतर्गत जिले में रिक्त 01 जनपद पंचायत सदस्य, 02 सरपंच एवं 21 पंच पदों के उप निर्वाचन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 11 मई 2026 को निर्वाचन संबंधी सूचना का प्रकाशन कर दिया गया है। कार्यक्रम जारी होते ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बेमेतरा सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई द्वारा पंचायत उप निर्वाचन के सुचारू संचालन हेतु संबंधित खण्ड मुख्यालयों के तहसीलदारों को रिटर्निंग ऑफिसर तथा जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। ये अधिकारी आयोग के निर्देशानुसार नाम निर्देशन पत्र प्राप्ति से लेकर निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे। जिले के विकासखण्ड बेरला अंतर्गत जनपद पंचायत सदस्य क्षेत्र क्रमांक 07 रिक्त है, जिसमें ग्राम पंचायत रेवे, भरचट्टी, पतोरा एवं सिलघट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत सुरहोली में सरपंच पद तथा ग्राम पंचायत कोदवा वार्ड क्रमांक 04, कंडरका वार्ड क्रमांक 08, बावनलाख वार्ड क्रमांक 09 एवं भरदा वार्ड क्रमांक 03 एवं 10 में पंच पद रिक्त हैं। विकासखण्ड साजा में ग्राम पंचायत उमरावनगर के वार्ड क्रमांक 03 एवं ग्राम पंचायत सोमईखुई के वार्ड क्रमांक 01 में पंच पद रिक्त हैं। वहीं विकासखण्ड नवागढ़ के ग्राम पंचायत बोटेबोड़ में सरपंच तथा ग्राम पंचायत मुरता वार्ड क्रमांक 15 एवं अतरगंवा वार्ड क्रमांक 10 में पंच पदों पर उप निर्वाचन कराया जाएगा। इसी प्रकार विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम पंचायत पथर्रा के वार्ड क्रमांक 04, 06, 07, 09, 10, 11 एवं 13, ग्राम पंचायत रामपुर वार्ड क्रमांक 07, ग्राम पंचायत बेतर वार्ड क्रमांक 08, ग्राम पंचायत डुडा वार्ड क्रमांक 04, ग्राम पंचायत बंधी वार्ड क्रमांक 05 एवं ग्राम पंचायत भोईनाभाठा वार्ड क्रमांक 04 में रिक्त पंच पदों के लिए निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा संबंधित पदों हेतु निर्वाचन की सूचना, आरक्षण संबंधी जानकारी एवं मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन विहित प्रारूप में 11 मई 2026 को किया गया है। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य जनपद पंचायत कार्यालयों में प्रतिदिन पूर्वान्ह 10:30 बजे से अपरान्ह 03:00 बजे तक किया जाएगा। नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 18 मई 2026 निर्धारित की गई है।

ग्राम घिवरी में समाधान शिविर आज

बेमेतरा। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत 13 मई को जनपद पंचायत बेमेतरा के ग्राम पंचायत ढोलिया (शास. पूर्व मा. शाला) में समाधान शिविर आयोजित किया गया है। ग्राम मोहतरा ख, लावातरा, धनगांव, अतरिया, मरका, झालम, झाल, केवाछी, चारभाठा, ढोलिया, बिलई, पंडरभट्ठा, पेन्ड्रीतराई, नरी, मुलमुला, खाम्ही, बाराडेरा, चदनू, मुटपुरी एवं केशतरा ग्राम पंचायत के लिए यह शिविर आयोजित किया गया है, इसी प्रकार विकासखण्ड साजा के ग्राम पंचायत घिवरी (शास. हाई स्कूल) में समाधान शिविर आयोजित किया गया है। ग्राम खुरूसबोड आर, सैगोना, कारेसरा, गर्रा, घिवरी, सौरी, खाती, हरदास डगनिया, पतोरा हाटरांका बरगा केशतरा, गडुवा, खैरझिटी कला, हथमुडी, पदमी, पदुमसरा एवं किरकी ग्राम पंचायत के लिए यह शिविर आयोजित किया गया है, इसी प्रकार नगर पालिका परिषद बेमेतरा में वार्ड क्रमांक 01 से 07 बेसिक ग्राउण्ड गांधी भवन वार्ड 04 बेमेतरा में यह शिविर आयोजित किया गया है। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे निर्धारित किया गया है। समाधान शिविर में विभिन्न योजनाओं से पात्र अनेक हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा।

शिविर में प्राप्त आवेदनों का यथासंभव निराकरण किया जाएगा।

माँ भवानी हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं ने शाला का नाम गौरवान्वित किया

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित कक्षा 10 वीं के परीक्षा परिणाम में माँ भवानी हाई स्कूल पुराना बाजार दल्ली राजहरा के विद्यार्थी कु. भूमिका 88.5 प्रतिशत अंक लेकर शाला में प्रथम, 82.66 प्रतिशत अंक लेकर इन्द्रजीत नेताम द्वितीय एवं 81.5 प्रतिशत अंक लेकर कु. डिम्पल रावटे ने तृतीय स्थान प्राप्त कर शाला का नाम गौरवान्वित किया है । विद्यार्थियों को उनके इस उपलब्धि के लिए शाला के शिक्षक / प्रबंधक समिति एवं शाला विकास समिति ने बधाई दी है।

सुशासन तिहार में सांसद भोजराज नाग का फूटा गुस्सा, अधिकारियों को बोले: जनता को गुमराह किया तो उल्टा टांग दूंगा

पीएचई, राजस्व, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग पर बरसे सांसद, गलत आंकड़े पेश करने पर अफसरों को चेतावनी

बालोद। जिले के गुंडरदेही विकासखंड अंतर्गत ग्राम मटिया में आयोजित सुशासन तिहार के जनसमस्या निवारण शिविर में मंगलवार को उस समय माहौल पूरी तरह गरमा गया, जब कांकेर लोकसभा सांसद भोजराज नाग अधिकारियों की कार्यशैली और लंबित मामलों के निराकरण को लेकर मंच से ही भड़क उठे। ग्रामीणों की शिकायतें सुनने के बाद सांसद ने पीएचई विभाग, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और पुलिस प्रशासन सहित कई अधिकारियों की खुले मंच से जमकर क्लास लगाई।

शिविर में मौजूद ग्रामीणों ने पेयजल, अधूरे निर्माण कार्य, जल जीवन मिशन, राजस्व प्रकरण और प्रशासनिक लापरवाही से जुड़ी शिकायतों की झड़ी लगा दी। शिकायतों और विभागीय आंकड़ों में भारी अंतर सामने आने पर सांसद भोजराज नाग का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है, लेकिन कुछ अधिकारी इसे केवल खानापूर्ति बनाकर सरकार की छवि खराब कर रहे हैं। इस दौरान गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी चन्द्राकर, कलेक्टर दिव्या मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ सुनील चंद्रवंशी सहित क्षेत्र के तमाम जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

3 साल से भटक रहे बुजुर्ग की पीड़ा सुन भड़के सांसद

शिविर के दौरान 70 वर्षीय परदेशी राम साहू ने सांसद भोजराज नाग को बताया कि वे पिछले तीन वर्षों से राजस्व प्रकरण को लेकर एसडीएम और तहसीलदार कार्यालय के चक्क र काट रहे हैं, लेकिन आज तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। यह सुनते ही सांसद मंच पर मौजूद गुंडरदेही एसडीएम पर भड़क उठे और तीखे अंदाज में कहा 'अधिकारी राज चला रहे हो क्या..? जनता का कोई काम नहीं हो रहा है। ऐसे शिविर लगाने का क्या मतलब, जिसमें सिर्फगलत आंकड़े पेश किए जा रहे हैं..?' सांसद ने अधिकारियों को

सबसे ज्यादा बजट लेकर भी रिजल्ट जीरो, शिक्षा विभाग पर भी बरसे सांसद

सांसद भोजराज नाग ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा विभाग को सबसे अधिक बजट देती है, लेकिन परिणाम बेहद निराशाजनक हैं। उन्होंने मंच से कहा ''सबसे ज्यादा बजट लिया है और परिणाम देखो तो जीरो। मुझे बहुत दुख हुआ। कई लोगों ने फोन कर कहा कि सिर्फबस्तर के भूत उतारोगे, क्या बालोद जिले का नहीं..?' सांसद के इस बयान के बाद कार्य म स्थल पर मौजूद अधिकारी भी असहज नजर आए।

अधूरी पानी टंकी और स्वास्थ्य केंद्र पर भी फूटा गुस्सा

ग्राम पंचायत सिब्दी के सरपंच सुनील बेलचंदन और बघेली के सरपंच रामेश्वर तेलासी ने भी जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों की शिकायत सांसद से की। सिब्दी सरपंच ने बताया कि गांव में पानी टंकी का निर्माण अधूरा है और अब तक टंकी तक पानी भी नहीं पहुंचा है। वहीं सीजीएमएससी के माध्यम से बन रहे उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण भी अधूरा पड़ा है, जबकि शिविर में उसका 'निराकरण' होना बता दिया गया। इस पर सांसद ने सीएमएचओ को फटकार लगाते हुए कहा 'जब काम अधूरा है तो शत-प्रतिशत निराकरण क्यों बता रहे हो? लंबित है तो लंबित बताओ। होशियारी मत मारो।'

पीएचई विभाग सांसद के निशाने पर, जल जीवन मिशन में गड़बड़ी का आरोप

शिविर के दौरान सांसद जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की जानकारी ले रहे थे। इस दौरान पीएचई विभाग ने बताया कि विभाग को प्राप्त 50 आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण कर दिया गया है। लेकिन मौके पर मौजूद ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने विभाग के दावों की पोल खोल दी। कई ग्रामीणों ने बताया कि समस्याओं का समाधान अब तक हुआ ही नहीं है और सिर्फकागजों में निराकरण दिखाया गया है। इस पर सांसद भोजराज नाग पीएचई विभाग के ईई पर आगबबूला हो गए। उन्होंने अधिकारियों पर जनता को गुमराह करने और झूठे आंकड़े पेश करने का आरोप लगाते हुए कहा 'जब समस्याओं का समाधान करना ही नहीं था तो शिविर लगाने का क्या मतलब है..?' गुस्से में सांसद ने यहां तक कह दिया ''ऐसे अधिकारियों को उल्टा लटका देना चाहिए।' सांसद की इस तीखी टिप्पणी के बाद कार्य म स्थल पर कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया। सांसद भोजराज नाग ने मंच से घोषणा करते हुए कहा कि वे स्वयं गांवों में जाकर जल जीवन मिशन के कार्यों की जांच करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि मौके पर गड़बड़ी मिली तो जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की सेवा के लिए अधिकारियों को वेतन देती है, इसलिए आम लोगों को दफ्तरों के चक्क र कटवाना बंद करें।

अपने संबोधन के दौरान सांसद भोजराज नाग ने अधिकारियों को नसीहत देते हुए कहा कि सभी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ काम करें। उन्होंने कहा 'जनप्रतिनिधि और ग्रामीण यहां भजिया खाने नहीं आए हैं। लोग सरकार की योजनाओं का लाभ लेने आए हैं। अंतिम छोर के व्यक्ति तक योजना पहुंचनी चाहिए। अगर सरकार की छवि धूमिल करने की कोशिश हुई तो बर्दाश्त नहीं करेंगे।' सांसद के सख्त तेवर और तीखी फटकार के बाद शिविर में मौजूद अधिकारियों में हड़कंप की स्थिति देखने को मिली। ग्रामीणों ने भी सांसद के सख्त रुख का समर्थन करते हुए कहा कि पहली बार उनकी समस्याओं को लेकर किसी जनप्रतिनिधि ने खुलकर आवाज उठाई है।

रेत से भरे 02 वाहन एवं मुरुम उत्खनन में संलिप्त 1 जेसीबी जब्त

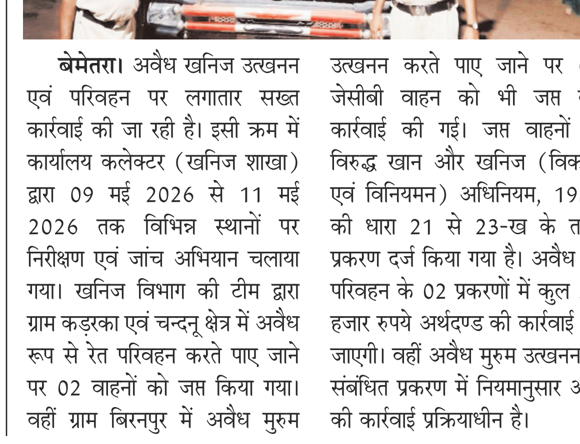

बेमेतरा। अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) द्वारा 09 मई 2026 से 11 मई 2026 तक विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाया गया। खनिज विभाग की टीम द्वारा ग्राम कड़रका एवं चन्दनू क्षेत्र में अवैध रूप से रेत परिवहन करते पाए जाने पर 02 वाहनों को जप्त किया गया। वहीं ग्राम बिरनपुर में अवैध मुरुम उत्खनन करते पाए जाने पर 01 जेसीबी वाहन को भी जप्त कर कार्रवाई की गई। जप्त वाहनों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23-ख के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। अवैध रेत परिवहन के 02 प्रकरणों में कुल 57 हजार रुपये अर्थदण्ड की कार्रवाई की जाएगी। वहीं अवैध मुरुम उत्खनन से संबंधित प्रकरण में नियमानुसार आगे की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

संपादकीय

पंजाब में फिर लौट रहा खालिस्तानी आतंक?

पंजाब में आतंकी तंत्र के फैलते दायरे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पिछले वर्ष जुलाई में सुरक्षा एजंसियों ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया था।पंजाब में पिछले कुछ समय से आतंकी गतिविधियां जिस तरह से बढ़ रही हैं, वह बड़े खतरे की ओर इशारा करती हैं। बीते दस दिनों के भीतर राज्य में तीन बम धमाकों ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। अब तक की जांच-पड़ताल के निष्कर्षों की जो तस्वीर सामने आई है, उससे इस बात के साफ संकेत मिलते हैं कि उग्रवाद का कठिन दौर झेल चुके इस राज्य में खालिस्तान समर्थक आतंकी तंत्र फिर से सिर उठाने लगा है। जलंधर और अमृतसर में मंगलवार रात हुए दो सिलसिलेवार विस्फोटों ने राज्य की सुरक्षा एजंसियों की सतर्कता और खुफिया चौकसी पर सवाल खड़े कर दिए हैं।इन विस्फोटों की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोनों जगह सुरक्षा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की गई। आतंक के इस तंत्र को लेकर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि विभिन्न समूहों से जुड़े ज्यादातर आतंकी किसी आम नागरिक की तरह समाज में घुल-मिलकर रहते हैं, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल होता है। मौका मिलने पर वे अपने आकाओं के निर्देश पर हमला करने के लिए सक्रिय हो जाते हैं।गौरतलब है कि पंजाब के जलंधर में मंगलवार रात करीब आठ बजे सीमा सुरक्षा बल के पंजाब फ्रंटियर के मुख्यालय के बाहर विस्फोट हुआ। इसके बाद दूसरा धमाका रात करीब ग्यारह बजे अमृतसर में सैन्य छावनी के पास हुआ। जलंधर में हुए विस्फोट की जिम्मेदारी प्रतिबंधित संगठन खालिस्तान लिबरेशन आर्मी ने ली है और पुलिस ने भी इसकी पुष्टि की है। इससे पहले पटियाला के शंभू इलाके में 27 अप्रैल को एक मालगाड़ी की पटरी पर विस्फोट हुआ था।पुलिस ने इस सिलसिले में खालिस्तान समर्थक एक आतंकी गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया था। ये घटनाएं खुफिया तंत्र की विफलता और सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर खामी की ओर इशारा करती हैं। राज्य पुलिस का मानना है कि इन आतंकी वारदातों के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है। सीमा पार से खालिस्तान समर्थक आतंकी समूहों को प्रशिक्षण, विस्फोटक सामग्री और हथियार मुहैया कराए जा रहे हैं।

मगर सवाल है कि सुरक्षा एजंसियां इस तरह की गतिविधियों पर नियमित नजर रखने और किसी भी वारदात से पहले ही आतंकियों को धर-दबोचने में नाकाम क्यों हो रही हैं?पुलिस के मुताबिक, अमृतसर में विस्फोट स्थल पर आईईडी के टुकड़े मिले हैं, जिससे संकेत मिलता है कि यह या तो टाइम बम से किया गया विस्फोट था या फिर रिमोट कंट्रोल से धमाका किया गया। ऐसे में सुरक्षा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। अगर सुरक्षाबलों के परिसर में ही चौकसी के बंदोबस्त इतने कमजोर हैं कि कोई भी वहां विस्फोटक सामग्री रख सकता है, तो फिर अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था का स्तर कैसा होगा, इसका अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है।

अजेय अस्मिता का अंगार- झुकती दुनिया में 'महाराणा प्रताप' होने का अर्थ

जब स्वाधीनता ने स्वयं को मानवीय स्वरूप में प्रकट करना चाहा, जब समता और समन्वय ने 'योद्धा' के रूप में खुद को ढालने की आरजू की, जब 'वीरता और वैराग्य' ने संयुक्त रूप से प्रस्फुटित होने का संकल्प लिया तब 09 मई 1540 को कुंभलगढ़ के किले में महाराणा प्रताप नामक आलोक का उदय हुआ। पराधीनता के घोर तिमिर में 'भुवन भास्कर' बन उदित होने वाला यह कालजई किरदार आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना आज से 500 वर्ष पूर्व था। संभव है कि उनकी जयंती के अवसर पर फिर दुराग्रह और तुष्टीकरण की विष्ठा के आहार पर पल रहे कुछ बुद्धिजीवी मानवता के 'प्रताप' को लघुतर साबित करने का कुप्रयास करेंगे।

(प्रणय विक्रम सिंह)

मुल्क के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे प्रखर राष्ट्रवादी अकबर नहीं महाराणा थे महान, कह कर उन छद्म कुपढ़ों का प्रतिकार करेंगे। किंतु यह दोनों बातें इस बहस को जन्म अवश्य देती हैं कि आखिर महाराणा में क्या महानता थी। या महाराणा और अकबर में कौन महान था।

वैसे महानता के अपने-अपने मापदंड हो सकते हैं। जैसे मेरा मानना है कि महान बनने के लिये किसी भी व्यक्ति अथवा शासक में मानवता का होना बुनियादी शर्त है। वह जितना अधिक मानवीय मूल्यों और जन पक्षधरता के निकट होगा, महानता से समीपता बढ़ती चली जायेगी। मानवीय मूल्य और जन पक्षधरता वाले निणर्यों की बुनियाद पर मैं महाराणा प्रताप को समकालीन इतिहास का महान शासक मानता हूं।

अब प्रश्न है कि आखिर महाराणा में महानता थी क्या?

महाराणा की महानता को जानने के लिये इंटरनेट की तरंगों पर मचल रही 21वीं सदी को थोड़ा पीछे मुड़ कर उस कालखंड की तरफ देखना पड़ेगा जब भारत का स्वर्ण काल बीत चुका था। इंद्रप्रस्थ का सिंहासन बन चुका था तख्त-ए-दिल्ली। चंगेज खान के फरजंद (उत्तराधिकारी) लूटने लगे थे इस देव भूमि को। जिन्हें कभी सूर्य और चंद्र के वशंज होने का अभिमान था वो क्षत्रिय, अब कुरनीस करने लगे थे जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर के दरबार में। मुगलों के परचम तले भारतवर्ष के बड़े-बड़े राज्य अपना अस्तित्व खो रहे थे। जो कल तक राजा थे, वह आज मनसबदार बन कर खुद को महफूज समझ रहे थे। कहीं से बगावत की कोई आवाज नहीं आ रही थी। 'सत्य' ने 'सत्ता' के सम्मुख समर्पण कर दिया था। कहते हैं कि बहती धारा में कोई पेड़ उग नहीं पाता है। लेकिन कुछ हठीले दरख्त ऐसे भी होते हैं जिन्हे समय का सैलाब भी बहा नहीं पाता है। वह अविचल, अडिग खड़े रहते हैं प्रलयंकारी तूफानों में। धारा का तेज बहाव, समय की तपिश, तूफानों के रक्ताभ थपेड़े उनका बाल भी बांका नहीं कर पाते हैं।

उस वक्त, कुछ ऐसे ही मतवाले दरख्तों से लहलहा रही थी वीर मेवाड़ की धरती, जब अपने साम्राज्यवादी मंसूबों की कुत्सित पिपासा को मिटाने के लिये अकबर तेजी से मेवाड़ की ओर आगे बढ़ रहा था। और मेवाड़ मचल रहा था स्वाधीनता के अमर गायक महाराणा प्रताप की तान पर। वो महाराणा, जिसने वीरता के प्रतिमानों को ही बदल दिया। वो, महाराणा जिसने मृत्यु की नाद पर जीवन को थिरकना सिखाया। वो महाराणा, जिसकी रगों में महारानी पद्मनी का तेज, राणा सांगा का पराक्रम, माता पन्ना धाय का त्याग, संस्कार बन कर दौड़ रहा था। भला उसे अकबर नाम का अंधड़ क्या परेशान करता। लालच के पृष्ठ पर अपमान के अक्षरों से लिखे तमाम संधि प्रस्तावों पर स्वाभिमान की स्याही उड़ेलता रहा महाराणा। लिहाजा सज गई हल्दीघाटी। शायद हल्दीघाटी के हिस्से में भी वीरों की तपस्थली होने का गौरव आना था। हल्दीघाटी की जय-पराजय तो अलग विषय है लेकिन अकबर को इस युद्ध के बाद यह ज्ञात हो गया कि आगे का मार्ग आसान नहीं है। उसके अविजित होने का दंभ हिल गया। सम्पूर्ण भारतवर्ष ने महाराणा में एक नई उम्मीद देखनी प्रारम्भ कर दी। अब प्रताप का संघर्ष हर उस व्यक्ति और समाज के लिये प्रेरणा बन चुका था, जो अपने अस्तित्व की रक्षा को अपना धर्म समझता था। हल्दीघाटी मात्र एक युद्धभूमि नहीं थी, वह चेतना की कसौटी थी। वहां दो

सेनाएं नहीं भिड़ीं, वहां दो दृष्टियों टकराईंज एक ओर विस्तार की भूख, दूसरी ओर अस्तित्व की रक्षा।

जब कोई महाशक्ति किसी देश की सांसें सैन्य/आर्थिक घेराबंदी से गिनने लगती है, जब वियतनाम, बलोचिस्तान और वेनेजुएला जैसी धरती अपने ही संसाधनों के बीच घुटन महसूस करती है, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि हल्दीघाटी कोई स्थान नहीं थी, वह हर युग की एक स्थिति है। संघर्ष का रंग बदला है, आत्मा की परीक्षा वही है।

यह विडंबना ही है कि जन सामान्य और इतिहासकार, महज हल्दीघाटी के युद्ध तक ही सीमित कर देते हैं प्रताप को। जबकि सच तो यह है कि महाराणा अपने कालखंड के सबसे बड़े समाज सुधारक थे। अब देखिये न, जातीय जड़ता में जकड़े हुये मध्यकालीन युग में प्रताप ने अपनी सेना में अछूत समझे जाने वाले दलित धांगर बिरादरी के लोगों को न केवल शामिल किया था बल्कि उन्हें सेना की अगली कतार में चलने का गौरव भी प्रदान किया। यह किसी भी वंचित समुदाय को योद्धा बनाने की युगांतकारी पहल थी।

राणा प्रताप ने बाल्यकाल से ही भीलों को हमेशा सम्मान की दृष्टि से देखा और तात्कालीन समाज में व्याप्त अनेक जातीय शिष्टाचार को दरकिनार कर उनके साथ एक पंगत में बैठ भोजन करते थे राणा। यह स्वामी भक्त भीलों के शौर्य और राणा के समतामूलक विचारों का ही परिणाम है कि आज भी मेवाड़ राजवंश के प्रतीक चिह्न पर एक ओर क्षत्रिय खड़ा है तो दूसरी ओर भील। यही नहीं, अनेक अवरोधों के बावजूद सामाजिक समरसता में एक कदम आगे बढ़ते हुये अफगान पठान हकीम खां सूर के दल को अपने हरावल दस्ते की कमान सौंपी। भील, धांगर समेत अन्य वंचित समुदाय उनके लिए एक ही आग के अंगार थे। जहां योग्यता थी, वहां भेदभाव की दीवार अपने आप गिर जाती थी। आज, जब समाज को फिर से ब्क्ष्ठ रूपी खांचों बांटने की कोशिशें तेज हैं, प्रताप की यह दृष्टि मरहम की तरह उतरती है।

महाराणा प्रताप प्रजा के हृदय पर शासन करने वाले शासक थे। उनकी एक आज्ञा हुई और विजयी सेना ने देखा कि उसकी विजय व्यर्थ है। चित्तौड़ भस्म हो गया, खेत उजड़ गये, कुएं भर दिये गये और ग्राम के लोग जंगल एवं पर्वतों में अपने समस्त पशु एवं सामग्री के साथ अदृश्य हो गये। दशकों तक मेवाड़ में अन्न का दाना नहीं उपजा। पूरा मेवाड़ युद्ध का मैदान बना हुआ था। सब तरफ भुखमरी और मार-काट थी, ऐसे में सब साथ छोड़ जाते हैं लेकिन मेवाड़ ने प्रताप का साथ कभी नहीं छोड़ा। मेवाड़ की जनता प्रताप के पीछे चट्टान की तरह खड़ी रही।

महाराणा प्रताप की अदम्य वीरता, दृढ़ साहस और कुशल सेनानायक की उज्वल कीर्ति के आलोक में अनेक ऐसे गुण, जो महाराणा के व्यक्तित्व को विभिन्न आयामों में विराटता प्रदान करते हैं, छिप कर रह गये हैं। विदित हो कि महाराणा प्रताप में अच्छे सेनानायक के गुणों के साथ-साथ अच्छे व्यवस्थापक की विशेषताएं भी थी। अपने शासनकाल में उन्होने युद्ध में उजड़े गांवों को पुन॰ व्यवस्थित किया। नवीन राजधानी चावण्ड को अधिक आकर्षक बनाने का श्रेय महाराणा प्रताप को जाता है। चावंड को चित्रकला का केंद्र बनाकर नई चित्र शैली मेवाड़ी शैली का प्रारम्भ करवाया।

महाराणा प्रताप को स्थापत्य, कला, भाषा और साहित्य से भी लगाव था। वे स्वयं विद्वान तथा कवि थे। उनके शासनकाल में अनेक विद्वानों एवं साहित्यकारों को आश्रय प्राप्त था। राजधानी के भवनों पर कुम्भाकालीन स्थापत्य की अमिट छाप देखने को मिलती है। पद्मिनी चरित्र की रचना तथा दुरसा आढा की कविताएं महाराणा प्रताप के युग को आज भी अमर बनाये हुए हैं। उनकी प्रेरणा से ही मथुरा के चक्रपाणी मिश्र ने विश्व वल्लभ नामक स्थापत्य तथा मुहूर्त माला नामक ज्योतिष ग्रंथ की रचना की। चांवड में चावंड माता के मंदिर का निर्माण भी राणा प्रताप ने ही करवाया था।

दीगर है कि अंग्रेजी हुकूमत से स्वाधीनता हेतु संघर्षरत अनेक महान क्रांतिकारियों के प्रेरणा स्रोत थे 500 वर्ष पूर्व जन्में महाराणा। वीर शिरोमणि चंद्रशेखर आजाद के लिये आदर्श थे राणा। क्रान्तिकारियों के लिए मेवाड़ की धरती, चित्तौड़गढ़ और हल्दीघाटी तीर्थस्थल बन चुके थे। वस्तुत॰ अंग्रेजों की दासता से मुक्ति दिलाने के लिए महाराणा प्रताप के नाम ने जादू का काम किया। डीप स्टेट के अदृश्य तंत्र, प्रलोभनों की आंधियां और भीतर से राष्ट्र को खोखला करने वाली साजिशें इन सबके बीच महाराणा प्रताप दीप बनकर खड़े दिखाई देते हैं। वे याद दिलाते हैं कि पराधीनता पहले मन में उतरती है, सीमाओं पर बाद में। यदि चेतना सजग रहे, तो कोई भी जाल स्थायी नहीं हो सकता।

वस्तुत॰ वह हमारे दुर्धर संघर्ष, निष्ठा, समर्पण और पराक्रम की अपूर्व धरोहर हैं। वह ऐसा इतिहास हैं, जो कभी मर नहीं सकता। ऐसे भी अनेक प्रयास हुए हैं और आगे भी होते रहेंगे जो महाराणा प्रताप की गरिमा को सन्देह की शय्या पर सुलाना चाहेंगे।

लेकिन शायद ऐसा करने वाले यह भूल गये हैं कि महाराणा प्रताप का इतिहास मानव-जीवन का पर्याय है और कोई भी ऐतिहासिक दुराग्रह, उसे प्राप्त प्रतिष्ठा से अपदस्थ नहीं कर सकती। युगों-युगों तक पीढ़ियां स्वाधीनता के अमर हस्ताक्षर को स्मरण कर प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

भाजपा को परखने के औज़ार बदलने होंगे

(राकेश सैन)

राष्ट्रवाद को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लेकर अनेक विचारक स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत का राष्ट्रवाद संकीर्ण पश्चिमी राष्ट्रवाद से सर्वदा विपरीत है। पश्चिमी मीडिया भारत को अक्सर यूरोपीय राजनीतिक अनुभवों के चश्मे से देखने की कोशिश करता है। वहां राष्ट्रवाद का अर्थ सत्ता विस्तार व नस्लीय वर्चस्व रहा है। भारतीय जनता पार्टी की बंगाल जीत ने केवल राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक विश्लेषकों का भी ध्यान आकर्षित किया है। सभी अपने-अपने मापदण्डों पर इस चुनाव परिणाम को परख रहे हैं परन्तु पुराने ढर्रों पर चलते हुए फिर से गलती पर गलती दोहराते लगते हैं। यहां के विपक्ष की मानें तो यह एसआईआर के प्रयोग से निकला विजयमार्ग है तो विदेशी विश्लेषक फिर से जिंगल बैल जिंदल बैल की तरज पर साम्प्रदायिकता का गीत गाने लगे हैं। इन पांच राज्यों के चुनाव परिणाम बताते हैं कि भाजपा ने कहीं पहली बार पांव जमाए हैं, कहीं वह फिर से सत्ता में आई है तो कहीं उसने अपना जनाधार बढ़ाया है। अगर केरल जैसे राज्य में वामपंथी दलों को भाजपा के प्रभाव के डर से अयप्पा के दर्शन करने पड़ें, भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से बंजर कहे जाने वाले बंगाल में कमल की फसल लहलाने लगे, द्रविड़ राजनीति के केंद्र तमिलनाडू में उसकी आहट सुनने लगे यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि विरोधी इस दल को गलत औजारों से परख रहे हैं। विरोधी भूलते हैं कि देश का मतदाता मदिहीन नहीं है, वह सुशासन व विकास को अपनी पसंद बनाता जा रहा है। अगर कोई दल संविधान के अनुरूप काम करते हुए जनता की पसंद बन रहा है तो विरोधियों को भी अपनी सोच बदलनी होगी। राष्ट्रवाद को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से लेकर अनेक विचारक स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत का राष्ट्रवाद संकीर्ण पश्चिमी राष्ट्रवाद से सर्वदा विपरीत है। पश्चिमी मीडिया भारत को अक्सर यूरोपीय राजनीतिक अनुभवों के चश्मे से देखने की कोशिश करता है। वहां राष्ट्रवाद का अर्थ सत्ता विस्तार व नस्लीय वर्चस्व रहा है। जबकि भारत में राष्ट्रवाद सांस्कृतिक, सभ्यतागत पहचान और ऐतिहासिक आत्मबोध से जुड़ा है। इसे विदेशी मीडिया समझ नहीं पाता। इसीलिए वो हमारे सांस्कृतिक पुनर्जागरण को सीधे अल्पसंख्यक-बहुसंख्यकवाद से जोड़ देता है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा की जीत को पश्चिम के विश्लेषकों ने लोकतांत्रिक परिवर्तन के बजाय हिंदू राष्ट्रवादी कब्जे की तरह प्रस्तुत किया गया। एसआईआर पर अर्धसत्य दिखाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने परिणामों के बाद वोट चोरी का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को भाजपा का आयोग बताया। विदेशी मीडिया ने इन आरोपों को लगभग बिना तथ्य जांचे ही अपने विमर्श का आधार बना लिया। विशेष रूप से एसआईआर को मुस्लिम मतदाताओं को हटाने की साजिश के रूप में पेश किया गया, जबकि हटाए गए 91 लाख नामों में 63 प्रतिशत हिंदू मतदाता थे। बड़ी संख्या में नाम मृत, डुप्लिकेट, स्थायी रूप से स्थानांतरित या फर्जी पाए गए थे। इसके बावजूद विदेशी मीडिया के बड़े हिस्से ने केवल मुस्लिम वोट हटाए गए वाली जिद को प्रमुखता दी। देसी-विदेशी विश्लेषक यह भूल गए कि जिन 20 सीटों पर जाँच के बाद सबसे ज्यादा वोट काटे गए थे, उनमें से ज्यादातर पर टीएमसी ने ही कब्जा जमाया है। इन सीटों में समशेरगंज, लालगोला, भगवानगोला, रघुनाथगंज, मटियाबुर्ज, सूती, मोथाबाड़ी, गोलपोखर, मालतीपुर, चोपड़ा, सुजापुर, राजारहाट न्यू टाउन और बशीरहाट उत्तर शामिल हैं। इन सभी 13 सीटों पर ममता बनर्जी की पार्टी को जीत मिली है। अन्य सीटों की बात करें तो फरक्का सीट पर सबसे ज्यादा 38,222 वोट काटे गए थे, लेकिन वहाँ से कॉन्ग्रेस ने जीत दर्ज की। वहीं भाजपा को जंगीपुर, रतुआ, करनदिघी, केतुग्राम, मानिकचक और मोंतेश्वर जैसी 6 सीटों पर जीत मिली। यह अकेला आँकड़ा ही उस प्रोपेगेंडा की हवा निकाल देता है जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि वोटर लिस्ट में सुधार से सिर्फ टीएमसी को नुकसान हुआ और भाजपा को फायदा पहुँचा। अगर बड़े पैमाने पर देखें, तो जिन 187 सीटों पर 5,000 से ज्यादा वोटर्स के नाम काटे गए थे, वहां भाजपा ने 119 और टीएमसी ने 65 सीटों पर जीत दर्ज की। इन 187 सीटों में से 47 सीटें ऐसी थीं, जहाँ कटे हुए वोटों की संख्या जीत के अंतर से ज्यादा थी। भाजपा ने जो 119 सीटें जीतीं, उनमें से 28 सीटों पर जीत का अंतर कटे हुए वोटों से कम था। इन आँकड़ों से साफ है कि कई सीटों पर कांटे की टक्कर थी और वहाँ कटे हुए वोटों की संख्या जीत के मार्जिन से ज्यादा रही। लेकिन हार का पूरा ठीकरा सिर्फ वोटर लिस्ट सुधार की प्रक्रिया पर फोड़ देना और इसे ही हार की एकमात्र वजह बताना पूरी तरह से भ्रामक और गलत है। विदेशी विश्लेषणों में बंगाल के चुनावी परिणाम को हिन्दुत्व के उभार के रंग में रंग दिया। लेकिन वहां की जनता की नाराजगी, आर्थिक बदहाली, भ्रष्टाचार, महिला उत्पीडन, सत्ताधारियों की हिंसा, उद्योगों का पलायन जैसे कारणों की अनदेखी कर गया। यह तत्व जनता में अप्रासंगिक हो रहे हैं और भाजपा का ग्राफ निरंतर बढ़ रहा है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रील, स्क्रीन और भागती दुनिया के बीच आखिर क्यों छूटता जा रहा है 'समझने' का हुनर

देखने और समझने के बीच एक सूक्ष्म-सी दूरी है, पर यही दूरी धीरे-धीरे जीवन को एक अनकही थकान में बदल देती है। हम जीवन भर देखते रहते हैं- चेहरे, सड़कें, भीड़, घटनाएं, समाचार- पर उन्हें समझने का ठहराव जैसे हमारी दिनचर्या से धीरे-धीरे विलुप्त हो गया हो। जीवन हमारे सामने घटता रहता है, पर उसका अर्थ भीतर पहुंचने से पहले ही कहीं फिसल जाता है, जैसे कोई नदी रेत में समा जाए और हम केवल उसकी नमी को महसूस कर सकें, प्रवाह को नहीं। 'समय ने समय से कहा होगा कि मैं वही हूं, जो हर युग में अपने अर्थ बदल लेता हूं- कभी प्रतीक्षा बनकर, कभी गति बनकर और कभी उस मौन ठहराव की तरह, जो किसी अनुभव के बाद मनुष्य के भीतर बच जाता है।'

(विजय सिंह अधिकारी)

शायद इन्हीं पंक्तियों में देखने और समझने के बीच की पूरी कथा छिपी है- एक ऐसी कथा जो हर युग में लिखी जाती है, पर कभी पूरी नहीं होती। इसी संदर्भ में यह कहावत भी सटीक प्रतीत होती है- 'आंखों देखी पर यकीन कर लेते हैं, पर समझी हुई बात जीवन बदल देती है।'

आज यह दूरी और भी सूक्ष्म होकर सर्वव्यापी हो गई है। मोबाइल फोन ने देखने को गति नहीं दी, उसने देखने को एक निरंतर प्रवाह में बदल दिया है। अब दृश्य रुकते नहीं, वे बहते हैं। सुबह आंख खुलते ही स्क्रीन, दिनभर सूचनाओं की अनवरत दस्तक और रात तक अनगिनत चित्रों का सिलसिला- जैसे दुनिया अब कोई स्थिर यथार्थ नहीं, बल्कि एक निरंतर संपादित होती हुई फिल्म हो।

दिल्ली मेट्रो में एक युवक अपने मोबाइल में लगातार रील बदल रहा था। एक दृश्य की हंसी अभी पूरी भी नहीं होती कि दूसरा दृश्य शुरू हो जाता था। मृत्यु, विवाह, विज्ञापन, युद्ध- सब एक ही समतल पर समान गति से गुजरते हैं। उस गति में किसी भी दृश्य का भार नहीं बचता। उसी डिब्बे में एक वृद्ध महिला अपने बैग को कसकर पकड़े खड़ी थी। उसके चेहरे पर वर्षों का धैर्य था, पर वह दृश्य नहीं बना, क्योंकि दृष्टि पहले ही

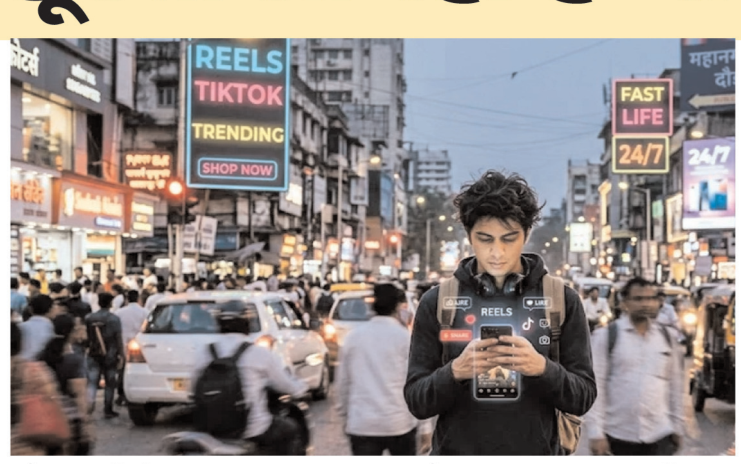

आगे बढ़ चुकी थी।

दिल्ली में एम्स के बाहर हल्की बारिश में एक परिवार प्रतीक्षा कर रहा था। समय वहां रुकता नहीं, फैल जाता है। पिता की आंखें दरवाजे पर जमी थीं, मां की हथेलियां आपस में बंधी थीं, बच्चा हर आहट पर सिहर उठता था। यह केवल प्रतीक्षा नहीं थी- यह समय का वह रूप था, जहां भय और आशा एक ही क्षण में सांस ले रहे थे। पर बाहर से देखने वाला इसे केवल 'कतार' कह देता है। यही वह बिंदु है, जहां देखने और समझने के बीच की सबसे गहरी दरार दिखाई देती है।

इसी तरह एक चौराहे पर एक बच्चा फूल बेच रहा था। हर बार लाल बत्ती पर वह आगे आता, हर हरी बत्ती पर पीछे छूट जाता। उसकी गति नियमों से नहीं, जीवित रहने की विवशता से तय थी। एक कार में बैठे व्यक्ति ने उसे देखा, क्षणभर ठहरा, फिर स्क्रीन में लौट गया। दृश्य पूरा था, पर अर्थ अधूरा रह गया।

स्टेशन पर एक वृद्ध व्यक्ति ट्रेन छूट जाने के बाद भी उसी जगह खड़ा रहा। भीड़ आगे बहती रही, घोषणाएं बदलती रहीं, पर उसके भीतर समय जैसे एक बिंदु पर जम गया था। वह केवल यात्री नहीं था। वह छूटते हुए जीवन का एक मौन संग्रह था, जहां हर छूटना केवल यात्रा नहीं, स्मृति बन रहा था।

गांव में यह अनुभव और भी मौलिक हो जाता है। एक किसान सूखी जमीन को देखता है, पर उसकी दृष्टि केवल दरारों तक सीमित नहीं रहती। उसमें कर्ज की परतें, मौसम की अनिश्चितता, बीज की कीमत और आसमान की चुप्पी एक साथ जीवित रहती है। उसके लिए बादल केवल पानी नहीं, एक संभावना है- एक वादा जो पूरा भी हो सकता है और टूट भी सकता है।

शहर का व्यक्ति मौसम एप देखकर भी असमंजस में रहता है, क्योंकि उसके पास सूचना है, पर वह व्याख्या नहीं, जो अनुभव से जन्म लेती है। किसी बस में बैठी महिला का दृश्य भी ऐसा ही था- गोद में सोता बच्चा, खिड़की से पीछे छूटता शहर, और चेहरे पर थकान की परतें। पर उस थकान के भीतर अनेक भूमिकाएं चल रही थीं- मां, कामगार, देखभालकर्ता और भविष्य की अनिश्चितताओं से जूझती एक चेतना। देखने वाला उसे केवल 'यात्री' कह देता है, पर समझने वाला उसमें एक पूरा सामाजिक और आर्थिक ढांचा पढ़ लेता है।

धीरे-धीरे हमने अनुभव को सूचना में बदल दिया है। सड़क दुर्घटना हमें कुछ क्षण विचलित करती है, फिर अगली सूचना उसे ढक लेती है। अस्पताल की कतार दिखाई देती है, पर उसमें बैठे हर व्यक्ति का समय अदृश्य रह जाता है। किसी मजदूर की झुकी हुई चाल दिखती है, पर उसका पूरा दिन हमारी दृष्टि से बाहर रह जाता है। अब दृश्य आते हैं, पर ठहरते नहीं- और जो नहीं ठहरता, वह अर्थ नहीं बनता।

यहां समय एक मौन भूमिका निभाता है। वह केवल आगे नहीं बढ़ता, वह हमारी दृष्टि को भी आकार देता है। 'समय ने समय से कहा होगा कि यदि तुम तेज हो जाओगे, तो मनुष्य तुम्हें केवल देखेगा, समझेगा नहीं।' गति समय को दृश्य बना देती है, पर अर्थ को धुंधला कर देती है। ठहराव ही वह स्थान है, जहां अनुभव अपने पूरे रूप में प्रकट होता है।

यही कारण है कि देखने और समझने के बीच की यह दूरी केवल तकनीक का परिणाम नहीं, बल्कि हमारी दृष्टि की संरचना में आया एक गहरा परिवर्तन है। यह परिवर्तन हमें संसार का साक्षी तो बनाता है, पर उसका सहभागी नहीं रहने देता। शायद सबसे मौन विडंबना यही है कि हम जितना अधिक दुनिया को देख रहे हैं, उतना ही कम उसे भीतर उतार पा रहे हैं, क्योंकि जो केवल देखा गया है, वह स्मृति बन सकता है, पर जो समझा नहीं गया, वह जीवन नहीं बनता। वह बस एक गुजरती हुई छाया रह जाता है, जो हमारे सामने से भी निकल जाती है और हमारे भीतर से भी।

संक्षिप्त समाचार

पुरानी रंजिश में खूनी हमला, बटनदार चाकू के साथ आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। बिलासपुर नूतन चौक में पुरानी दुश्मनी ने अचानक हिंसक रूप ले लिया, गाली-गलौज से शुरू हुआ विवाद चाकू और जानलेवा हमले तक पहुंच गया सरकंडा पुलिस ने मारपीट और अवैध हथियार रखने के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। मामला नूतन चौक का है, जहां 3 मई 2026 की सुबह प्रार्थी प्रियांशु शुक्ला अपने साथियों के साथ 'अपना मार्ट' के पास खड़ा था। इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी राजा यादव अपने साथियों लिल्ली नाई और बदकू यादव के साथ वहां पहुंचा और देखते ही देखते गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद इतना बढ़ा कि आरोपियों ने हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देने लगे। हमले में प्रार्थी के साथी युवराज पाण्डेय को गंभीर चोटें आईं, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की शिकायत पर थाना सरकंडा में अपराध क्रमांक 617/2026 दर्ज कर धारा 296, 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस और 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला कायम किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। विवेचना के दौरान मुख्य आरोपी राजा यादव पिता विनोद यादव, उम्र 21 वर्ष, निवासी अटल आवास नूतन चौक थाना सरकंडा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जहां उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक स्टील का धारदार बटनदार चाकू बरामद कर जब्त किया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है, जबकि मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश सरगर्मी से जारी है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई के बाद क्षेत्र के असामाजिक तत्वों में भय का माहौल है और स्थानीय लोगों ने पुलिस की सक्रियता की जमकर सराहना की है। बहरहाल, बिलासपुर पुलिस का साफसंदेश है कि रंजिश के नाम पर हथियारबाजी और गुंडागर्दी करने वालों को अब सीधे जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

भीषण गर्मी में राहत हैंडपंप मरम्मत से ग्रामीणों को मिली सुविधा

रायपुर। भीषण गर्मी और बढ़ते जल संकट के बीच लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विभाग की टीम द्वारा विकासखंड भरतपुर के ग्राम बड़गांवकला, घाटमा, केसौडा, जनौरा एवं ढाबतुमाड़ी में हैंडपंपों की मरम्मत और निरीक्षण कार्य किया गया। गर्मी के मौसम में पेयजल की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए खराब एवं बंद पड़े हैंडपंपों को प्राथमिकता के आधार पर सुधार कर पुनः चालू किया जा रहा है। विभागीय अमले की तत्परता से ग्रामीणों को समय पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है, जिससे उन्हें काफी राहत मिली है। ग्रामीणों ने प्रशासन एवं विभागीय टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि समय पर मरम्मत कार्य होने से पानी की समस्या काफी हद तक दूर हुई है। विभाग द्वारा लगातार गांवों का निरीक्षण कर पेयजल व्यवस्था पर निगरानी रखी जा रही है, ताकि भीषण गर्मी के दौरान किसी भी क्षेत्र में जल संकट उत्पन्न न हो। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने बताया कि जिलेभर में हैंडपंप सुधार एवं रखरखाव का कार्य निरंतर जारी है और जहां से भी खराब हैंडपंप की सूचना प्राप्त हो रही है, वहां तत्काल टीम भेजकर समस्या का समाधान किया जा रहा है।

झोराघाट में पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन, 23 बाइक चालकों पर चालानी कार्रवाई से हड़कंप

रायपुर। पिकनिक स्पॉट पर फर्राटेबाजी, स्टंट और शराब के नशे में दौड़ रही बाइकों पर आखिरकार पुलिस का डंडा चल गया कटघोरा पुलिस ने 'सजग कोरबा, सतर्क कोरबा' अभियान के तहत झोराघाट पिकनिक स्पॉट में ऐसा सघन वाहन जांच अभियान चलाया कि नियम तोड़ने वाले बाइक चालकों में अफरा-तफरी मच गई। रविवार 10 मई 2026 को झोराघाट पिकनिक स्पॉट में बड़ी संख्या में लोग परिवार और दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने पहुंचे थे, इसी दौरान कई युवक तेज रफ्तार, बिना सायलेंसर, तीन सवारी बैठाकर और स्टंटबाजी करते हुए फर्राटे भरते नजर आए, जिससे आम लोगों और पर्यटकों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर सघन वाहन चेकिंग शुरू की। अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने, तेज रफ्तार से बाइक दौड़ाने, बिना सायलेंसर बाइक चलाने और तीन सवारी बैठाकर नियम तोड़ने वाले युवकों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई। पुलिस ने कुल 23 दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला। अचानक हुई कार्रवाई से स्टंटबाजों और नियम तोड़ने वालों में हड़कंप मच गया, कई बाइक चालक पुलिस को देखते ही रास्ता बदलते दिखाई दिए। पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले, नीतीश ठाकुर और एसडीओपी विजय सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में अंजाम दी गई। थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी ने साफ चेतावनी दी है कि सड़क सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और आगे भी सार्वजनिक स्थलों व मुख्य मार्गों पर लगातार वाहन जांच अभियान चलता रहेगा। पुलिस ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें, अन्यथा वाहन मालिक और परिजनों पर भी कानूनी कार्रवाई होगी। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की जमकर सराहना की है और कहा है कि ऐसे अभियान से दुर्घटनाओं पर रोक लगेगी और यातायात नियमों को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ेगी। बहरहाल, कोरबा पुलिस का साफसंदेश है कि सड़क को स्टंट का मैदान बनाने वालों के लिए अब हर मोड़ पर कानून तैयार खड़ा है।

20 मई को दवा दुकानें रहेंगी बंद, दवा विक्रेताओं ने सरकार को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। जिला दवा विक्रेता संघ रायपुर ने 20 मई को प्रस्तावित एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद की घोषणा की है। इस संबंध में संघ के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर औषधि व्यापार और जनस्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर हस्तक्षेप की मांग की है। संघ के अध्यक्ष विनय कृपलानी और सचिव संजय रावत ने बताया कि यह बंद ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर किया जा रहा है। संगठन देशभर के 12.40 लाख से अधिक केमिस्ट और दवा वितरकों का प्रतिनिधित्व करता है। दवा विक्रेताओं ने प्रदेशभर में औषधि विभाग द्वारा चलाए जा रहे पखवाड़े भर के जांच अभियान पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि लगातार कार्रवाई और नियमों के दबाव से छोटे व्यापारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

नारायणपुर में जनसमस्या निवारण शिविर बना जनसेवा का प्रभावी माध्यम

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं किया निराकरण

■ योजनाओं से अनेक हितग्राही हुए लाभान्वित

रायपुर/ संवाददाता

शासन की मंशानुसार आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से बेमेतरा जिले के ग्राम नारायणपुर में विशाल जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं और मांगें लेकर पहुंचे। यह शिविर ग्रामीणों के लिए अपनी लंबित समस्याओं के समाधान का एक प्रभावी मंच साबित हुआ। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता प्रदेश के खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंत्री श्री बघेल ने स्वयं शिविर में पहुंचकर आमजनों की समस्याएं सुनीं तथा विभागीय अधिकारियों से आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आम जनता की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। खाद्य मंत्री श्री बघेल ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, मांगों और आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उन योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे अपने विभागों की योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। उन्होंने ग्रामीणों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं से प्रशासन को अवगत कराएं। शासन समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण एवं उत्थान के

लिए निरंतर कार्य कर रहा है। शिविर में राजस्व, कृषि, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया।शिविर में राशन कार्ड निर्माण, पेंशन प्रकरण, सीमांकन एवं अन्य जनसमस्याओं से संबंधित कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। त्वरित समाधान मिलने से ग्रामीणों के चेहरों पर संतोष एवं खुशी स्पष्ट दिखाई दी। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविरों से उन्हें सीधे राहत मिल रही है। कार्यक्रम के दौरान खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के पांच विद्यार्थियों को 10-10 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया। मंत्री श्री बघेल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य का आधार है और मेहनत व लगन से विद्यार्थी जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। शिविर के दौरान ग्राम पंचायत नारायणपुर के सरपंच द्वारा ग्राम में सीसी रोड निर्माण की मांग रखी गई, जिस पर मंत्री श्री बघेल ने ग्राम पंचायत में सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए 10 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। इस घोषणा से ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखा गया। शिविर को संबोधित करते हुए मंत्री श्री बघेल ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से प्रशासन को सीधे जनता के द्वार तक लाया गया है, ताकि ग्रामीणों को अपने जायज कार्यों के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

सुकमा में सिंगल विंडो सुविधा से ग्रामीणों के जीवन में आई सुशासन की बहार.......

■ अब दफ्तरों के चक्करों से मिली मुक्ति, मिनटों में बन रहे राशन, आधार और आयुष्मान कार्ड'

रायपुर/ संवाददाता

अब दफ्तरों के चक्करों से मिली मुक्ति, मिनटों में बन रहे राशन, आधार और आयुष्मान कार्ड' सिंगल विंडो (एकल खिड़की) प्रणाली और डिजिटल गवर्नेंस के संयोजन ने ग्रामीण क्षेत्रों में सुशासनऔर ईज ऑफ लिविंग (जीवन सुगमता) में युगांतरकारी परिवर्तन लाए हैं। यह पहल ग्रामीण आबादी को प्रशासनिक जटिलताओं से मुक्त कर सीधे विकास से जोड़ रही है। पहले छोटे-छोटे कार्यों के लिए ब्लॉक या जिला मुख्यालयों के चक्कर काटने पड़ते थे, लेकिन अब सिंगल विंडो के माध्यम से यह प्रक्रिया घर के पास या ऑनलाइन हो गई है। छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचल जिला सुकमा में प्रशासन की सिंगल विंडो व्यवस्था ने जनसेवा की नई इबारत लिखी है। कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित इस अनूठी सुविधा ने दूरस्थ गांवों के ग्रामीणों की राह आसान कर दी है। अब ग्रामीणों को अपने जरूरी शासकीय दस्तावेजों के लिए अलग-अलग कार्यालयों की दौड़ नहीं लगानी पड़ती, बल्कि एक ही छत के नीचे उनकी सभी समस्याओं का त्वरित निराकरण हो रहा है। इस जन-

हितैषी व्यवस्था का शुभारंभ सुकमा जिले में प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा किया गया था। तब से यह केंद्र आम नागरिकों के लिए ॔भरोसे का केंद्र॔ बन चुका है। यहाँ राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, निवास प्रमाण पत्र और ड्राइविंग लाइसेंस जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं बिना किसी विलंब के उपलब्ध कराई जा रही हैं। पुनर्वास केंद्र से आई मुचाकी देवे इस बदलाव की प्रत्यक्ष गवाह हैं। उन्हें सिंगल विंडो केंद्र में तत्काल नया राशन कार्ड प्रदान किया गया। मुचाकी ने खुशी जाहिर करते हुए बताया, पहले एक कार्ड के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था, लेकिन आज यहाँ चंद मिनटों में मेरा काम हो गया। उनके साथ आए अन्य नागरिकों को भी तत्काल आधार और आयुष्मान कार्ड जैसी सुविधाएं प्रदान की गईं। जिला मुख्यालय सुकमा से 41 किमी दूर मेकावाया गांव की कवासी रेशमा ने अपनी सफलता की कहानी साझा करते हुए बताया कि राशन कार्ड में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया अब बेहद सरल हो गई है। केंद्र में तैनात कर्मचारी आवेदन प्रक्रिया से लेकर दस्तावेज प्राप्ति तक ग्रामीणों का पूरा सहयोग करते हैं, जिससे अनपढ़ और भोले-भाले ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होती।

छग में कच्चे छप्पर से पक्के आशियाने तक का सफर...

■ प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली जिंदगी

रायपुर/ संवाददाता

बरसात की हर रात अनिता और उनके परिवार मन में भय लेकर आती थी। टपकती छत, मिट्टी की कमजोर दीवारें और हर मौसम में उजड़ने का भय, यही उनकी जिंदगी की सच्चाई थी। लेकिन अब वही अनिता अपने पक्के घर की चौखट पर खड़ी होकर सुकून और आत्मविश्वास के साथ भविष्य के सपने देख रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके जीवन की तस्वीर ही बदल दी है। जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा से करीब 22 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत कमालूर, एक आदिवासी बाहुल्य गांव है। यहां ज्यादातर परिवार खेती और मजदूरी पर निर्भर हैं। इसी गांव की 28 वर्षीय अनिता पेड़ो को कम उम्र में ही जिंदगी की कठिनाइयों का सामना करना पड़ गया था। माता-पिता के निधन के बाद दो छोटे भाइयों और दो बहनों की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। परिवार चलाने के लिए उन्होंने खेतों में काम किया, मजदूरी की और हर मुश्किल परिस्थिति से संघर्ष करती रहीं। आर्थिक तंगी इतनी थी कि दो वक्त की रोटी जुटाना भी चुनौती था। ऐसे हालात में पक्का मकान कभी न पूरा होने वाले सपने जैसा था। परिवार एक कच्चे छप्पर वाले घर में रहता था, बरसात आने से पहले छप्पर की मरम्मत कराना जरूरी होता था, लेकिन सीमित आय के कारण यह भी संभव नहीं हो पाता था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उनका चयन हुआ और शासन द्वारा 1 लाख 20 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई। इस राशि से उनका पक्का मकान तैयार हुआ, जिसने उनके परिवार को नया जीवन दे दिया। आज अनिता अपने भाई-बहनों के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में रह रही हैं। वे कहतीं हैं कि अब पक्के घर में रहने से परिवार को सुरक्षा और सुकून मिला है। उनके चेहरे की मुस्कान इस बात की गवाही देती है कि एक घर सिर्फ ईंट और सीमेंट से नहीं बनता, बल्कि वह उम्मीद, सम्मान और आत्मविश्वास का आधार भी होता है। अनिता का मानना हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना उनके जैसे गरीब परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। यह बदलाव ग्रामीण जीवन में आए सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की भी तस्वीर पेश करता है।

जनसमस्या निवारण शिविर में गोरेलाल बरेठ को तत्काल मिली किसान किताब

■ भड़ेसर शिविर में त्वरित समाधान से खेती-किसानी के कार्य हुए आसान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार आयोजित सुशासन तिहार 2026आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों में प्राप्त आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर लोगों को तत्काल राहत प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा

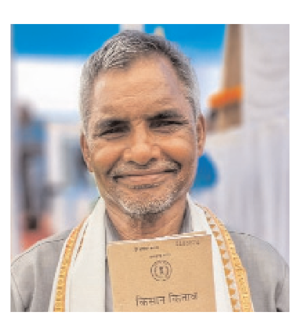

जिले के जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम भड़ेसर में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम भड़ेसर निवासी श्री गोरेलाल बरेठ अपनी समस्या लेकर पहुंचे। उन्होंने किसान किताब नहीं होने की जानकारी देते हुए आवेदन प्रस्तुत किया। श्री बरेठ ने बताया कि किसान किताब के अभाव में उन्हें कृषि ऋण, खाद-बीज वितरण तथा किसानों के लिए संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। आवेदन प्राप्त होते ही संबंधित विभाग के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और उन्हें मौके पर ही किसान किताब प्रदान कर दी। किसान किताब मिलने पर श्री गोरेलाल बरेठ ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें खेती-किसानी के कार्यों में सुविधा होगी और शासन की योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार आम लोगों की समस्याओं के समाधान का एक सार्थक और जनहितकारी अभियान साबित हो रहा है।

पेपर लीक का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, पूछताछ के दौरान कई अहम खुलासे

रायपुर। छत्तीसगढ़ में माध्यमिक शिक्षा मंडल 12वीं कक्षा के हिन्दी पेपर लीक मामले में बिलासपुर से गिरफ्तार वेणु जंघेल ने पुलिस के सामने पूछताछ के दौरान कई अहम खुलासे किए हैं। आरोपी के बैंक खातों से लाखों रुपये के ट्रांजेक्शन का खुलासा हुआ है। जांच एजेंसियों को ऐसे सबूत भी मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि परीक्षार्थियों से ऑनलाइन माध्यम से रकम जमा कराई जाती थी। बताया जा रहा है कि असली प्रश्नपत्र को 'गेस पेपर' बताकर वायरल किया गया था, ताकि किसी को शक न हो। फि दरअसल, 12वीं बोर्ड का हिंदी पेपर 13 मार्च की रात टेलीग्राम पर लीक हुआ, जिसके बाद 14 मार्च को परीक्षा हुई।

कृषि विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना की तीन दिवसीय वार्षिक बैठक का शुभारंभ

रासायनिक खरपतवारनाशकों का नियंत्रित और प्रभावी उपयोग किया जाए

रायपुर/ संवाददाता

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आज यहां अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना की 33वीं वार्षिक समीक्षा बैठक की शुरूआत हुई। इस तीन दिवसीय बैठक का उद्घाटन मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक डॉ. ए. के. नायक द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय जैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, (आईसीएआर) बरोंडा रायपुर के निदेशक डॉ. पी. के. राय तथा डॉ. राकेश कुमार सहायक महानिदेशक आईसीएआर नई दिल्ली मौजूद थे। यह परियोजना देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में फसलों में खरपतवार नियंत्रण पर अनुसंधान तथा नवीनतम तकनीकों के विकास एवं उनके किसानों के बीच प्रसार हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा जबलपुर स्थित खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के माध्यम से चलाई जा रही है। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. ए. के. नायक ने वैज्ञानिकों से खरपतवारों के रसायनिक नियंत्रण के बजाय समन्वित खरपतवार नियंत्रण को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि रासायनिक खरपतवारनाशकों के हानिकाकरक प्रभावी को देखते हुए उन पर आधारित अनुसंधान को हतोत्साहित किया जाए। डॉ. नायक ने प्राकृतिक एवं जैविक कृषि अपनाने पर जोर देते हुए विभिन्न लाभकारी सूक्ष्मजीवों, केंचुओं तथा कीट पतंगो पर खरपतवारनाशकों के दुष्प्रभाव का अध्ययन करने की सलाह दी। कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि रासायनिक खरपतवारनाशी यद्यपि खेतों में खरपतवारों के नियंत्रण करने में समर्थ है लेकिन ये पर्यावरण तथा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हानिकारक है अतः इनका नियंत्रित और प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए। खरपतवार नाशकों का अंधाधुंध उपयोग मानवों और जीव-जंतुओं के स्वास्थ्य तथा

पर्यावरण के लिए नुकसानदायक है। उन्होंने कहा कि खरपतवारों के प्रबंधन के लिए केवल रसायनों पर निर्भर न रहकर यांत्रिक एवं बायोलॉजिकल नियंत्रण विधियों को प्राथमिकता देनी चाहिए। समारोह को डॉ. पी. के. राय तथा डॉ. राकेश कुमार ने भी संबोधित किया। खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, जबलपुर के प्रभारी डॉ. विजय कुमार चौधरी, प्रमुख वैज्ञानिक ने अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना के तहत देशभर के सभी 17 केन्द्रों में संचालित गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर परियोजना के वार्षिक प्रतिवेदन 2025-26 के साथ ही अन्य प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. एस.एस. कोल्हे को खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान हेतु लाइफ्टाइम अचिवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना को खरपतवार प्रबंधन हेतु आईसीएआर बेस्ट सेंटर अवार्ड से सम्मानित किया गया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान एवं बैठक के आयोजन सचिव डॉ. वी.के. त्रिपाठी ने रायपुर केन्द्र में इस परियोजना के तहत किए जा रहे कार्यो एवं गतिविधियों की जानकारी दी। परियोजना के प्रमुख अन्वेषक डॉ. श्रीकांत चितले ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि इस समीक्षा बैठक में भारत भर के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में संचालित 17 प्रमुख केंद्रों, तथा 7 स्वयंसेवी केंद्रों में खरपतवार अनुसंधान में कार्यरत वैज्ञानिकों के अलावा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (ऌ्ह्य), द्धष्टक्र संस्थानों तथा हर्बीसाइड उद्योगों के लगभग 100 वैज्ञानिक शामिल हुए हैं। समीक्षा बैठक के दौरान वर्ष 2025-26 में किए गए अनुसंधान कार्यों एवं विस्तार गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धियों की समीक्षा की जाएगी तथा आगामी दो वर्षों के लिए तकनीकी कार्यक्रम पर गहन विचार विमर्श करते हुए इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी जाति प्रमाण पत्र का बड़ा खेल उजागर, बैगा समाज ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले में फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनाकर सरकारी नौकरियां हासिल करने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। विशेष पिछड़ी जनजाति और राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र माने जाने वाले बैगा समाज के नाम पर फर्जी प्रमाण पत्र बनाए जाने का आरोप लगाते हुए बैगा समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस की राष्ट्रीय समन्वयक अर्चना पोर्ते और 'नांगा बैगा जनशक्ति संगठन' के नेतृत्व में समाज के लोगों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए गंभीर आरोप लगाए। ज्ञापन में कहा गया है कि बिलासपुर जिले के ग्राम पोड़ी (सीपत) के करीब 55 लोगों ने कूटरचित दस्तावेजों के जरिए फर्जी तरीके से 'बैगा' जनजाति का प्रमाण पत्र बनवा लिया है।समाज के प्रतिनिधियों ने दावा किया कि इन फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर बड़ी संख्या में लोग सरकारी नौकरियों में कार्यरत हैं। इनमें शिक्षक, हाईकोर्ट कर्मचारी, आर्मी, बीएसएफ, कृषि विभाग और स्वास्थ्य विभाग जैसे महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां शामिल हैं। बैगा समाज ने आशंका जताई है कि यदि पूरे परिवारों की जांच की जाए तो फर्जी नियुक्तियों की संख्या 150 से 200 तक पहुंच सकती है।मामले में बैगा समाज का कहना है कि सरकार ने विशेष पिछड़ी जनजाति के आर्थिक उत्थान के लिए तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर बिना परीक्षा सीधी भर्ती का प्रावधान किया है। लेकिन बाहरी लोग फर्जी दस्तावेज तैयार कर इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं, जिससे वास्तविक बैगा युवाओं के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं।समाज के लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि जिन व्यक्तियों ने प्रमाण पत्र बनवाए हैं, उनका बैगा समाज से कोई सामाजिक या पारिवारिक संबंध नहीं है। उन्होंने तत्कालीन प्रशासनिक अधिकारियों और एसडीएम की भूमिका पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग कीन है। बैगा समाज ने पूरे मामले की जांच राज्य स्तरीय जाति सत्यापन समिति से कराने और दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं कलेक्टर ने मामले को गंभीर बताते हुए जांच कराने का आश्वासन दिया है।

बिलासपुर में नहर में मिला वृद्ध का शव,इलाके में फैली सनसनी

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर के रतनपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक वृद्ध का शव नहर में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना खूंटाघाट स्थित छोटी नहर की है, जहां स्थानीय लोगों ने शव को पानी में तैरते हुए देखा।जानकारी के अनुसार, सुबह सांधीपारा वार्ड क्रमांक 7 के पास लोगों की नजर नहर में तैर रहे शव पर पड़ी। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही रतनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।मृतक की पहचान 65 वर्षीय कनक कुमार राज के रूप में हुई है, जो सांधीपारा क्षेत्र के निवासी थे। बताया जा रहा है कि वे रविवार से लापता थे और परिजन लगातार उनकी तलाश कर रहे थे। इसी बीच मंगलवार को उनका शव नहर में मिला।फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

पीएससी 2003 भर्ती घोटाले में नया मोड़, सुप्रीम कोर्ट की विशेष लोक अदालत में बुलाए गए पक्षकार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित पीएससी 2003 भर्ती घोटाले में एक बार फिर नया घटनाक्रम सामने आया है। मामले की मुख्य याचिकाकर्ता वर्षा डोंगरे और अन्य संबंधित पक्षकारों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा आयोजित विशेष लोक अदालत में उपस्थित होने के लिए नोटिस जारी किया गया है।यह मामला वर्ष 2003 की राज्य लोक सेवा आयोग भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और चयन में गड़बड़ी से जुड़ा है। वर्षा डोंगरे ने वर्ष 2006 में इस भर्ती को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई के बाद छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने वर्ष 2017 में अपने फैसले में चयन प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और अंकों की हेराफेरी को सही माना था। कोर्ट ने राज्य सरकार को चयन सूची संशोधित कर नई सूची जारी करने का निर्देश दिया था।हाईकोर्ट के फैसले को चंदन त्रिपाठी सहित अन्य चयनित अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। प्रारंभिक सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। तब से यह मामला शीर्ष अदालत में लंबित है।अब सुप्रीम कोर्ट की ओर से विवाद को आपसी सहमति से सुलझाने के प्रयास के तहत विशेष लोक अदालत आयोजित की जा रही है। इसके लिए वर्षा डोंगरे, राज्य सरकार और अन्य पक्षकारों को मुंगेली एवं कबीरधाम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं।याचिकाकर्ता वर्षा डोंगरे का कहना है कि हाईकोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला दिया था और राज्य सरकार को उस आदेश का पालन करना चाहिए था। उन्होंने स्पष्ट किया कि मामले में समझौते की कोई संभावना नहीं है और अंतिम निर्णय सुप्रीम कोर्ट से ही होना चाहिए।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में

नवगठित जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष मनोज गुप्ता जी एवं जन भागीदारी के सभी सदस्यों का प्रथम परिचयात्मक बैठक एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन

अंबिकापुर//आज महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में नगर निगम अंबिकापुर की महापौर श्रीमती मंजूषा भगत की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। इसके पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सिन्हा ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। अपने स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य प्रो. सिन्हा ने बताया कि वर्ष 1960 में स्थापित यह महाविद्यालय सरगुजा संभाग का सबसे बड़ा एवं एकमात्र स्वशासी महाविद्यालय है, जहां लगभग 6,000 नियमित विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती छात्र संख्या एवं समय की आवश्यकताओं के अनुरूप महाविद्यालय में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ शैक्षिक नवाचारों के क्रियान्वयन की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनभागीदारी समिति के सहयोग से महाविद्यालय में बेहतर संसाधन एवं सुविधाएं विकसित की जा सकेंगी। जनभागीदारी समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष एवं नगर निगम पार्षद श्री मनोज

गुप्ता ने कहा कि लंबे समय से समिति के अध्यक्ष का पद रिक्त होने के कारण महाविद्यालय के विकास कार्य प्रभावित हो रहे थे। अब सभी बाधाओं को दूर कर महाविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य महाविद्यालय को प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में स्थापित करना है तथा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वे स्वयं इस महाविद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं, इसलिए संस्थान के विकास से उनका विशेष भावनात्मक जुड़ाव है। मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह महाविद्यालय अंबिकापुर शहर का गौरव है। इस संस्थान का गौरवशाली इतिहास रहा है और यहां से शिक्षा प्राप्त कर अनेक व्यक्तित्वों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने नवगठित जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए महाविद्यालय के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर उपस्थित नगर निगम के पार्षद श्री मनीष सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यह महाविद्यालय संभाग उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र है और विद्यार्थियों की पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति के सदस्य श्री दीपक यादव, श्री दीपांकर, श्री मनोज सोनी, श्री प्रभात विश्वास, श्री अनीश सिंह, श्री अविनाश मंडल, श्री रामप्रवेश पांडे, श्रीमती सरस्वती यादव एवं सुश्री इंदु नेताम उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त भाजपा जिला महामंत्री श्री विनोद कर्ष, पूर्व पार्षद श्री करताराम गुप्ता, श्री पंकज गुप्ता एवं श्रीमती नीलम राजवाड़े भी विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नेशनल हाइवे-130 स्थित कुंवरपुर मोड़ पर तेज रफ़्तार कार अनियंत्रित होकर 40 फिट खाई में जा गिरी

अंबिकापुर। बिलासपुर मुख्यमार्ग पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है एक ओर जहाँ कल एक कार ने एक व्यक्ति को बचाते हुए एक खड़ी बाइक को ठोकर मार दी तो वही स्थानीय कुंवरपुर बांध मोड़ के पास एक तेज रफ़्तार कार आज सुबह 40 फिट गड्ढे में जा गिरी। मिली जानकारी के अनुसार अभिषेक पांडेय पिता अजय पांडेय निवासी भदोही उत्तरप्रदेश जो की रायपुर के कबीर नगर में निवासरत है कार से अपने घर जाने निकला था जहाँ तेज रफ़्तार होने के कारण कुंवरपुर बांध मोड़ के पास अनियंत्रित होकर 40 फिट गहरे खाई में जा गिरी। इस घटना की सूचना मिलते ही लोगो की भीड़ घटना स्थल पर जमा हो

गई जिसके बाद घायल को बड़ी मशक्कत के बाद पुलिस और लोगो के सहयोग से बाहर निकाला जा सका। घायल को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लखनपुर लाया गया जहाँ मामले की गंभीरता को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। लखनपुर का कुंवरपुर मोड़ आए दिन कई दुर्घटनाओं का गवाह बनता है जहाँ सड़क किनारे कोई बेरिकेट नहीं होने से तेज रफ़्तार कार सहित कई वाहन गहरे खाई में गिर जाते हैं जिसके बाद कई बार लोग यहाँ दुर्घटना का शिकार होते हैं ।

36 वर्षों पुराने विश्वकर्मा मंदिर पर कार्रवाई के विरोध में उठी आवाज

- धार्मिक आस्था से जुड़े मंदिर को अवैध बताने पर क्षेत्रवासियों में आक्रोश

कोरबा। पाली रोड दीपका स्थित लगभग 36 वर्षों पुराने विश्वकर्मा मंदिर को नगर पालिका परिषद दीपका द्वारा कथित अवैध कब्जा बताकर की जा रही कार्रवाई के विरोध में अब क्षेत्रवासियों की आवाज मुखर होने लगी है। ग्राम दीपका निवासी रामप्रवेश शर्मा ने जिला कलेक्टर कोरबा को आवेदन सौंपकर मंदिर पर की जा रही कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने एवं मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि विश्वकर्मा मंदिर पिछले कई दशकों से क्षेत्र की धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता एवं जनसहभागिता का प्रमुख केंद्र रहा है। मंदिर में नियमित रूप से पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक कार्यक्रम एवं जनकल्याणकारी गतिविधियां आयोजित होती रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं समाज के सहयोग से निर्मित यह मंदिर क्षेत्रवासियों की भावनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। रामप्रवेश शर्मा ने आरोप लगाया कि बिना उचित जांच, सीमांकन एवं वैधानिक प्रक्रिया अपनाए मंदिर को अवैध कब्जा घोषित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंदिर को लेकर प्रशासनिक दबाव बनाए जाने से श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों में भारी चिंता और आक्रोश का माहौल है। उनका कहना है कि वर्षों पुराने धार्मिक स्थल को अचानक विवादित बताना जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने जैसा है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि पिछले 15 से 20 वर्षों में मंदिर परिसर में किसी प्रकार का नया निर्माण अथवा अतिक्रमण नहीं किया गया है। इसके बावजूद बेदखली और कार्रवाई की आशंका से मंदिर से जुड़े लोगों में भय का वातावरण बना हुआ है। रामप्रवेश शर्मा ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मंदिर भूमि का निष्पक्ष सीमांकन कराया जाए, मामले की पूरी जांच की जाए तथा झूठी शिकायत एवं मानसिक प्रताड़ना के लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने 36 वर्षों से संचालित विश्वकर्मा मंदिर एवं उससे जुड़ी धार्मिक भावनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

राजस्व अमला एक माह में या तो अपने कार्यशैली में सुधार लाएं अन्यथा स्थानांनतरण के लिए तैयार रहें-कलेक्टर.......

- राजस्व प्रकरणों में किसी के साथ गलत नहीं होगा, आवेदक चिंता नहीं करें
- जनगणना कार्य में बढ़-चढ़ कर भाग लेने और प्रगणकों का सहयोग करने ग्रामीणों से अपील

गौरेला पेंड्रा मरवाही। सुशासन तिहार के अंतर्गत आज मरवाही जनपद के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के ग्राम पंचायत उषाड़ में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। इस कलस्टर पंचायत में 17 ग्राम पंचायतों-बगरार, बरौर, बेलझिरिया, चनाडोंगरी, चंगेरी, चिचगोहना, धनौरा, धुम्माटोला, कछार, कटरा, मनौरा, परासी, तेन्दुमुड़ा, टिकठी, पोंडी, करहनी एवं उषाड़ के ग्रामीणों द्वारा विभिन्न मांगो, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित कुल 711 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 116 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया। शेष आवेदनों का निराकरण संबंधित विभागों द्वारा किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने विभागवार अधिकारियों और आवेदकों को मंच के पास बुलाकर प्राप्त आवेदनों और की गई कार्रवाई की जानकारी साझा करने कहा। उन्होंने बरौर एवं कटरा के ग्राम वासियों द्वारा पेयजल की समस्या से अवगत कराए जाने पर ग्राम कटरा के मोहल्ला तुरिझिरिया एवं ग्राम बरौर के पुराना बाजार मोहल्ला कंवर पारा माँ चतुभुर्जी मंदिर के पीछे नवीन हैंड पंप की स्वीकृति प्रदान करने घोषणा की गई। इसी तरह ग्राम कुम्हारी में पीडीएस हितग्राहियों की सुविधा के लिए नवीन राशन दुकान खोलने की स्वीकृति की घोषणा की गई। कलेक्टर ने एसडीएम को तहसीलदार, आरआई और हल्का पटवारियों की टीम के साथ मंच के पास बुलाकर राजस्व से संबंधित प्राप्त आवेदनों एवं उन पर की गई कार्रवाई की जानकारी से अवगत कराने कहा। एसडीएम द्वारा नामांतरण, सीमांकन, नक्शा बटांकन, वन अधिकार पत्र, फौती नामांतरण, त्रुटि सुधान, जन्म प्रमाण पत्र आदि से संबंधित 117 आवेदन प्राप्त होने की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने सीमांकन के प्रकरणों को एक सप्ताह के भीतर निराकृत करने के साथ ही सभी प्रकरणों को निश्चित समय तय कर निराकृत करने कहा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जनमानस की सुविधा के लिए समाधान शिविरों का आयोजन कराया जा रहा है। आवेदकों को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए और उन्हें अपने काम के लिए अनावश्क रुप से भटकना नहीं चाहिए। कलेक्टर ने स्पष्ट रुप से कहा कि राजस्व अमला एक माह में या तो अपने कार्यशैली में सुधार लाएं अन्यथा स्थानांनतरण के लिए तैयार रहें। उन्होंने आवेदकों से कहा कि उनके साथ गलत नहीं होगा, वे चिंता नहीं करें। शिविर में आवेदकों की मांग पर विद्युत विभाग द्वारा धरती आबा योजना के तहत विद्युत पोल लगाने, लो वोल्टेज की समस्या दूर करने, कृषि विभाग द्वारा पात्रता की जांच कर रोपा मशीन, किसान सम्मान निधि, मिनी ट्रेक्टर दिलाले, पशुधन विकास विभाग द्वारा उन्नत नस्ल का बकरा दिलाने, मछली पालन विभाग द्वारा मछली बीज प्रदान करने, पंचायत विभाग द्वारा डबरी निर्माण, पेंशन, राशन कार्ड, कुआ निर्माण, आवास, नवीन जॉब कार्ड आदि के निर्देश दिए।

नीट पेपर लीक : देश के लाखों छात्रों के भविष्य के साथ बड़ा अन्याय

- राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल

अंबिकापुर। देश की सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में एक बार फिर पेपर लीक की घटना सामने आना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, चिंताजनक एवं शिक्षा व्यवस्था पर कलंक के समान है। भारत में दूसरी बार नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा की गोपनीयता भंग होना यह दर्शाता है कि परीक्षा संचालन और सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर खामियां मौजूद हैं। यह मामला केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के लाखों मेहनती विद्यार्थियों के भविष्य, उनके सपनों और वर्षों की मेहनत से जुड़ा हुआ है। आज़ाद सेवा संघ, छत्तीसगढ़ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा ने इस पूरे मामले पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं सामने आना बेहद गंभीर विषय है। मीडिया रिपोर्ट्स और जांच एजेंसियों द्वारा सामने आई जानकारियों के अनुसार पेपर लीक का नेटवर्क कई राज्यों तक फैला हुआ था, जहां कुछ दलालों और संगठित गिरोहों द्वारा मोटी रकम लेकर परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने की कोशिश की गई। यह भी सामने आया कि कुछ परीक्षा केंद्रों एवं संबंधित लोगों की मिलीभगत से परीक्षा की गोपनीयता भंग हुई, जिससे पूरी परीक्षा प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि जिस परीक्षा के माध्यम से देश के भविष्य के डॉक्टर चुने जाते हैं, यदि उसी परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो जाए तो यह पूरे सिस्टम की विफलता को दर्शाता है। लाखों छात्र दिन-रात कठिन मेहनत करके परीक्षा की तैयारी करते हैं, लेकिन कुछ भ्रष्ट लोगों की वजह से ईमानदार विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होता है। यह केवल पेपर लीक नहीं बल्कि युवाओं के विश्वास और मेहनत के साथ सीधा खिलवाड़ है।

एनटीए द्वारा परीक्षा रद्द होना गंभीर लापरवाही का प्रमाण

रचित मिश्रा ने कहा कि पेपर लीक की घटनाओं और अनियमितताओं के बाद एनटीए द्वारा परीक्षा रद्द किया जाना यह साबित करता है कि परीक्षा प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ियां हुई थीं। परीक्षा रद्द होने से लाखों छात्रों को मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और भविष्य को लेकर असमंजस का सामना करना पड़ रहा है। जिन विद्यार्थियों ने वर्षों तक मेहनत करके परीक्षा दी, उन्हें दोबारा उसी कठिन प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है, जो बेहद पीड़ादायक स्थिति है। उन्होंने कहा कि सरकार और संबंधित एजेंसियों को केवल परीक्षा रद्द करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे पेपर लीक नेटवर्क का खुलासा कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए।

अंबिकापुर में विद्युत व्यवस्था सुधार को लेकर महापौर मंजूषा भगत ने ली समीक्षा बैठक.......

- अंडरग्राउंड विद्युतीकरण, नए ट्रांसफार्मर, क्षतिग्रस्त पोल-केबल बदलने एवं नए विद्युत उपकेंद्र स्थापना को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

अम्बिकापुर । आज दिनांक 12/5/2026 को अंबिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत द्वारा विद्युत व्यवस्था के संबंध में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक बुलाई गई। बैठक में नवीन विद्युत पोल लगाने, क्षतिग्रस्त हटाने, क्षतिग्रस्त केबल बदलने, ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग, पोल शिफ्टिंग के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। गांधी चौक से महामाया चौक, सदर रोड व देवीगंज रोड में होने वाले अंडरग्राउंड विद्युतीकरण कार्य किया जाना है जिसमें इन मार्गों से खंभा एवं ट्रांसफार्मर हटाए जाएंगे। मुख्यमंत्री विद्युतीकरण योजना अंतर्गत नई बसाहट वाले कॉलोनी/ बस्ती में नए खंभों के साथ विद्युतीकरण कार्य क्षतिग्रस्त एवं सड़कों में बाधक पोल को लगाने व हटाने के कार्य, क्षतिग्रस्त केवल को बदलने का कार्य जिसके कारण स्ट्रीट लाइट लंबे समय से नहीं जल रहे हैं, उन्हें तत्काल बदलने सड़क किनारे और सुरक्षित ट्रांसफार्मर का सेफ्टी, शिफ्टिंग एवं अत्यधिक भर वाले मोहल्ले में ट्रांसफार्मर लगाने हेतु महापौर द्वारा निर्देश दिए गए। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि मेंटेनेंस कार्य शीघ्र करने ताकि शहरवासियों को विद्युत कटौती से होने वाले परेशानी का सामना न करना पड़े। एवं दो पानी फिल्टर प्लांट तकिया एवं कतकालो

जो ग्रामीण क्षेत्र में आते हैं इसमें किसी भी कारण विद्युत कटौती होती है तो शहर की पेयजल सप्लाई व्यवस्था ठप हो जाती है इन क्षेत्रों में विद्युत कटौती न हो इसकी व्यवस्था दुरुस्त करने की बात उन्होंने कही । अंडरग्राउंड विद्युतीकरण वाले मार्ग डामरीकरण हेतु स्वीकृत हैं। इसलिए नगर निगम की टीम से समन्वय बनाकर कार्य करने के लिए महापौर ने निर्देश दिया। शहर की लगातार विस्तार को देखते हुए शहर में अतिरिक्त 33/11 के.वी. के विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने हेतु गंगापुर वार्ड, पुराना बस स्टैंड अंबिकापुर, गहीरागुरु वार्ड (मठपारा), महामाया पहाड़ (घूटरापारा) में भूमि उपलब्ध कराने हेतु शहरी कार्यपालक यंत्री ने महापौर जी से आग्रह किया। एवं अजीरमा रेलवे स्टेशन (बीज भंडार के पास) भूमि उपलब्ध हो गई है विद्युत उपकेंद्र स्थापना कार्यालय जल्द प्रारंभ किया जाएगा।इस बैठक में विद्युत विभाग के प्रभारी सदस्य श्री मनीष सिंह जी, जल विभाग के प्रभारी श्री जितेन्द्र सोनी जी, श्री आकाश गुप्ता जी, श्री विकास गुप्ता जी, विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता शहर श्री जयप्रकाश राजवाड़े, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण श्री आर.सूर्यवंशी, सहायक अभियंता एस.के. गुप्ता, श्री अग्नेश बंजारे सहायक अभियंता, सहायक अभियंता श्री कैलाश देवांगन, कनिष्ठ अभियंता श्री संगम कुमार पटेल, नगर पालिक निगम के विद्युत व जल प्रभारी श्री प्रशांत खुल्लर उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के अपील को कुछ अधिकारी कर रहे नजरअंदाज, कलेक्टर से कार्यवाही की मांग

अपील के बाद महापौर रामू रोहरा ने छोड़ा शासकीय वाहन, ई-रिक्शा, स्कूटी का कर रहे उपयोग

वर्षों से नहीं हो रहा शासकीय वाहनों में लग रहे इंधन का ऑडिट, कई अधिकारी रोज चले जाते हैं गृहग्राम

धमतरी। देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोल, डीजल की बचत करने, एक वर्ष तक सोना-चांदी नहीं खरीदने की अपील देशवासियों के नाम जारी किया गया है। धमतरी जिले में इसका पालन करने वाले नगर के प्रथम नागरिक महापौर रामू रोहरा ने उनकी इस अपील को तुरंत लागू करते हुए चार पहिया शासकीय वाहन को त्यागकर दोपहिया वाहन का इस्तेमाल शुरू कर दिया। लेकिन बड़े दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि छग शासन के धमतरी जिले में पदस्थ विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा प्रधानमंत्री के आव्हान को नजरअंदाज करते हुए शासकीय वाहनों को दौरा बताकर उसका निजी इस्तेमाल किये जाने की जानकारी प्राप्त हुई है जिससे छग शासन को अतिरिक्त भार उठाना पड़ रहा है। अनेक अधिकारी तो ऐसे हैं जो शासकीय वाहन से अपने समीपस्थ गृहग्रामों में जाकर वहां से सोमवार की सुबह वापस आते हैं और शासकीय दौरा बताकर लॉग बुक को भरते आ रहे हैं। जानकारी मिली है कि खाद्य विभाग, विद्युत विभाग, राजस्व विभाग के कुछ अधिकारी का नाम प्रमुखता से सामने आया है। खाद्य विभाग में पदस्थ अधिकारी जो कई वर्षों से धमतरी जिले में पदस्थ है और शाम होते ही रोजाना अपने गृहग्राम चले जाते हैं। हालांकि शासकीय वाहन को ये एक पेट्रोल पंप में खड़े कर देते हैं और वहां से ये निजी वाहन में जाते हैं। लेकिन सूत्रों का कहना है कि निजी वाहन में डलने वाले इंधन को शासकीय दौरे में समाहित कर देते हैं। वहीं विद्युत विभाग में पदस्थ अधिकारी भी प्रतिदिन अपने गृहग्राम से धमतरी मुख्यालय आना-जाना करते हैं और इसे भी शासकीय दौरा बताते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के नागरिकों के नाम एक अपील जारी करते हुए कहा है कि सोना, चांदी नहीं खरीदें, पेट्रोल, डीजल की कम से कम खपत करें। आने वाले समय में पेट्रोल, डीजल की भारी किल्लत होने की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए यह अपील देशवासियों से की गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी प्रधानमंत्री के अपील को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश के तमाम अधिकारियों को पेट्रोल, डीजल की खपत कम करने का निर्देश जारी किया है। उसका पालन करते हुए महापौर रामू रोहरा ने अपनी चार पहिया वाहन को छोड़ दोपहिया वाहन से काम प्रारंभ कर दिया है। उसका जीता-जागता प्रमाण पिछले दिनों उन्होंने अनेक निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने सभी पार्षदों, अधिकारियों के साथ मिलकर ऑटो, ई-रिक्शा में बैठकर समस्त निर्माणाधीन स्थलों में जाकर उसकी गुणवत्ता की जानकारी ली। संभवतः यह शहर के पहले शख्स हैं जिन्होंने अपने प्रिय नेताओं के अपील का तुरंत पालन कर एक संदेश जिलेवासियों को दिया है। लेकिन वहीं दूसरी ओर शासन के प्रतिनिधि के रूप में पदस्थ जिले के अधिकारी इसका पालन नहीं कर रहे हैं और आज भी शासकीय वाहनों का उपयोग निजी कार्यों के लिये करते आ रहे हैं और पेट्रोल, डीजल की खपत बढ़ा रहे हैं। ऐसे अधिकारी पर लगाम लगाने के लिये किसी प्रकार का कोई निर्देश विभागीय स्तर पर जारी नहीं किया गया है। यही कारण है कि ऐसे अधिकारी शुक्रवार शाम से रविवार रात तक निजी कार्यों के लिये शासकीय वाहनों का उपयोग करते हैं और लॉग बुक में शासकीय दौरा दर्ज कर देते हैं। प्रत्येक माह लाखों रूपये के इंधन शासकीय वाहनों में दौरे के नाम पर खर्च होता है। साथ ही साथ कुछ अधिकारी निजी वाहनों को किराये में लेकर भी शासन को दोहरी हानि पहुंचा रहे हैं। इसकी वर्षों से ऑडिट नहीं हुआ है जबकि नियमतः लाखों रूपये के शासकीय कोष से भुगतान होने वाले इंधन की ऑडिट भी होनी चाहिये। लेकिन ऐसी प्रक्रिया नहीं होने से शासन को नुकसान पहुंचाने वाले अधिकारियों के हौसले बुलंद हैं। जिले के विद्युत विभाग अधिकारी के साथ साथ अन्य अधिकारियों द्वारा भी शासकीय वाहनों को अपने निजी कार्यों के लिये इस्तेमाल किया जा रहा है और हजारों लीटर पेट्रोल, डीजल की खपत की जा रही है। ऐसे अधिकारियों के वाहनों के लॉग बुक को अचानक जांच करने पर यह त्रुटियां सामने आ सकती हैं। इसके लिये शासन स्तर को भी चाहिये कि ऐसे अधिकारी जो शासकीय वाहनों का उपयोग करते हैं, उसके लिये एक नीति निर्धारण किया जाना चाहिये।

शहर के जागरूक लोगों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री साय से मांग की है कि वे प्रत्येक कार्यालय में पदस्थ अधिकारियों के दौरे की पल-पल की जानकारी लेकर निजी कार्यों में चलने वाली शासकीय वाहनों की जानकारी लें और जो अधिकारी ऐसा करते हैं, उनके विरूद्ध तत्काल कार्यवाही किया जाये। खबर के मुताबिक धमतरी जिले की सीमा, उड़ीसा बॉर्डर तक स्थित है। इस क्षेत्र में पदस्थ अधिकारी ऐसे कार्यों में लिप्त देखे गये हैं। अलावा इसके धमतरी में भी ऐसे कुछ विभागों के अधिकारी हैं जो जिला प्रमुख से लुकाछिपी का खेल कर अपने निजी कार्यों में ऐसे वाहनों को इस्तेमाल कर रहे हैं। यहां यह बताना जरूरी है कि जिले में उपनिर्वाचन, सुशासन तिहार-2026 को लेकर कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने तमाम अधिकारियों को जिला मुख्यालय नहीं छोड़ने की हिदायत दी है जिसके चलते अधिकांश अधिकारी इसका पालन कर रहे हैं परंतु कुछ अधिकारी इसका पालन नहीं कर रहे हैं जिससे प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री साय के अपील का खुल्लमखुल्ला उल्लंघन किया जा रहा है जिस पर लगाम लगाये जाने की मांग जागरूक नागरिकों ने की है। प्रधानमंत्री मोदी की अपील को लेकर महापौर रामू रोहरा से दूरभाष पर चर्चा किये जाने पर उन्होंने कहा कि देश के हर नागरिक का कर्तव्य है कि संकट की घड़ी में आज प्रधानमंत्री मोदी के अपील का पालन करें। मोदी की अपील के बाद मैने सर्वप्रथम निर्णय लिया कि जब तक स्थिति सामान्य नहीं होगी, तब तक मैं वाहन के बदले ई-रिक्शा या स्कूटी से निगम सहित अन्य निर्माण स्थलों में जाकर उद्घाटन, निरीक्षण करूंगा। रोहरा ने यह भी कहा कि युद्ध के चलते स्थिति असामान्य होने के कारण हर भारतीय का कर्तव्य है कि वे कम से कम इंधन का प्रयोग करें। साथ ही सोना, चांदी अत्यावश्यक न हो तो न खरीदें। साथ ही विदेश यात्रा भी न करें।

नीट परीक्षा के रद्द होने को सरयू साहित्य एवं सुधिजनों ने बताया छात्रों के साथ खिलवाड़

भाटापारा। चिकित्सा शिक्षा मे प्रवेश की महत्वपूर्ण परीक्षा कुछ वर्षो से निरंतर विवादों एवं अव्यवस्थाओं के घेरे मे घिरी हुई नजर आ रही है,जिसके चलते इस महत्वपूर्ण परीक्षा की गरिमा प्रभावित होने के साथ ही इसकी विश्वसनीयता पर भी सवालिया निशान खड़ा होता हुआ नजर आ रहा है जिसका खामियाजा पूरी तरह बच्चों को भुगतना पड़ रहा है, परीक्षा मे अनियमितता एवं अव्यवस्था एक तरह से इस महत्वपूर्ण परिक्षा की परिपाटी बनती जा रही है जिसकी चरम परिणिति इस वर्ष परीक्षा पेपर लीक होने की आशंका के मद्देनजर परीक्षा रद्द होने के रुप मे नजर आ रही है। उपरोक्त भाव व्यक्त करते हुए नगर की रचनात्मक संस्था सरयू साहित्य परिषद एवं नगर के सुधिजनों द्वारा उपरोक्त घटनाक्रम को अत्यंत दुर्भाग्यजनक एवं बच्चों के परिश्रम एवं प्रतिभा के साथ खिलवाड बताया गया है, उनका कहना है कि परीक्षार्थी परीक्षा की तैयारी के लिए एड़ी चोटी की मेहनत करते है उसके उपरांत परीक्षा के लिए दूरदराज के परीक्षा केन्द्रों मे तमाम तरह की असुविधा झेलते हुए पंहुचते है,उसके बाद परीक्षा का रद्द हो जाना मतलब पुनः उन्ही कवायदों की पुनरावृति सीधे तौर पर बच्चों के साथ खिलवाड एवं अत्याचार है, सवाल यही उठता है कि वर्ष दर वर्ष अनियमितता की झलक मिलने के बाद भी अब तक व्यवस्था मे कसावट एवं सुचिता क्यों नही आ पा रही है। इसके लिए सीधे तौर पर विभाग के प्रमुख जिम्मेदार है परिषद के प्रमुख सदस्यों जिनमे गौरीशंकर शर्मा, मुकेश शर्मा, हरिहर शर्मा, डॉ वाय पी सोनी राजकुमार यदु मोनू मानिक प्रसाद दुबे, गिरधर गोपाल शर्मा, दिनेश शर्मा आदि द्वारा जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गयी है।

त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन हेतु सामान्य प्रेक्षक नियुक्त

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार त्रिस्तरीय पंचायतों के आम एवं उप निर्वाचन मई 2026 के लिए जिला पंचायत धमतरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह ठाकुर को गरियाबंद जिले के लिए सामान्य प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में पंच के 15 पद एवं सरपंच के 1 रिक्त पद हेतु उप निर्वाचन संपन्न कराया जाएगा। जिसके लिए विकासखंड गरियाबंद के ग्राम पंचायत नांगाबुड़ा, विकासखंड देवभोग के ग्राम पंचायत माहूलकोट, विकासखंड छुरा के ग्राम पंचायत करकरा, रजनकट्टा, पीपरछेड़ी, सेम्हरा, पण्ड्रीपानी गोंड़ तथा विकासखंड मैनपुर के ग्राम पंचायत हरदीभाठा, भेजीपदर, गुरजीभाठा (अ) वार्ड क्रमांक 7 एवं 8, सगड़ा, गुरजीभाठा (टी), बुड़गेलटप्पा, कोयबा एवं खरीपथरा में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। निर्वाचन संबंधी आवश्यक जानकारी एवं शिकायतें सामान्य प्रेक्षक के मोबाइल नंबर 94063-78849 पर उपलब्ध कराई जा सकती हैं।

दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री से मिली राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा

बस्तर से बंगाल तक अद्भुत नेतृत्व कौशल के लिये अमित शाह का आभार : लक्ष्मी वर्मा

भाटापारा। दिल्ली प्रवास के दौरान राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने देश के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भेंट कर विभिन्न समसामयिक, संगठनात्मक एवं जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की। यह भेंट अत्यंत आत्मीय एवं प्रेरणादायी वातावरण में सम्पन्न हुई, जिसमें राष्ट्रहित, सुशासन, संगठन की कार्यसंस्कृति एवं छत्तीसगढ़ के विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने पश्चिम बंगाल जैसे लोकतंत्र के लिए चुनौतीपूर्ण एवं जटिल राजनीतिक परिवेश में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक विजय एवं पहली बार सरकार गठन हेतु अमित शाह को बधाई एवं शुभकामनाएं दी,वही उन्होंने असम एवं पुडुचेरी में मिली उल्लेखनीय राजनीतिक सफलता के लिए भी उनका अभिनंदन करते हुए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं अमित शाह के कुशल नेतृत्व, संगठन की मजबूत कार्यशैली तथा राष्ट्रहित आधारित राजनीति की विजय बताया। लक्ष्मी वर्मा ने इस अवसर पर एक साधारण कार्यकर्ता एवं बूथ स्तर से संगठन में सक्रिय रूप से कार्य करने वाली कार्यकर्ता पर विश्वास व्यक्त कर राज्यसभा सांसद जैसे महत्वपूर्ण दायित्व हेतु चयन किए जाने पर अमित शाह के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी की कार्यकर्ता आधारित कार्यसंस्कृति, समर्पित कार्यकर्ताओं के प्रति नेतृत्व के विश्वास एवं संगठन की लोकतांत्रिक परंपरा का जीवंत उदाहरण है। भेंट के दौरान बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद के विरुद्ध केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रभावी अभियान एवं उसके सकारात्मक परिणामों को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। वर्मा ने कहा कि वर्षों से बस्तर के विकास में बाधक बने नक्सलवाद जैसे गंभीर संकट को समाप्त करने हेतु केंद्र सरकार द्वारा दृढ़ इच्छाशक्ति एवं रणनीतिक नेतृत्व के साथ किए जा रहे प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। इन प्रयासों से क्षेत्र में शांति, सुरक्षा, विश्वास एवं विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं, जिसका लाभ सीधे तौर पर आम जनता को मिल रहा है। वर्मा ने छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित विभिन्न विकासोन्मुखी योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यों, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के रोजगार, किसानों के हित, आदिवासी क्षेत्रों के विकास एवं प्रदेश की आम जनता से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों से भी शाह को अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करते हुए जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कार्य करने का संदेश दिया। लक्ष्मी वर्मा ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह जी का नेतृत्व राष्ट्रहित, सुशासन, सुरक्षा एवं अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण के प्रति पूर्णतः समर्पित है। उनका दूरदर्शी नेतृत्व देश के करोड़ों कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों के लिए निरंतर प्रेरणास्त्रोत है। इस भेंट एवं प्राप्त मार्गदर्शन को उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन के लिए अत्यंत प्रेरणादायी एवं ऊर्जा प्रदान करने वाला क्षण बताया।

सुशासन तिहार बना शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम : अश्वनी शर्मा

भाटापारा। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार के द्वितीय चरण अंतर्गत भाटापारा स्थित इतवारी राम यादव शासकीय बहुउद्देशीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में जनकल्याणकारी गतिविधियों एवं नागरिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में आमजन की सहभागिता रही। आयोजन का उददेश्य शासन की योजनाओं को पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी रूप से पहुँचाना, नागरिक समस्याओं का त्वरित निराकरण करना तथा जनता और प्रशासन के बीच संवाद को और अधिक सुदृढ़ बनाना रहा। कार्यक्रम के दौरान शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा नागरिक सुविधाओं से संबंधित व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने आमजन से आत्मीय संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना। साथ ही संबंधित विभागों को समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु आवश्यक निर्देश भी दिए गए।

कार्यक्रम में शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं की समुचित पहुँच सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। विकास कार्यों एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन किया गया।

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने आमजन से आत्मीय संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना। उपस्थित नागरिकों ने सुशासन तिहार के माध्यम से हो रहे त्वरित समाधान की मुक्तकंठ से सराहना की तथा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में हो रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाओं की जमीनी स्थिति, पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं की पहुँच तथा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई।

कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने शासन की पारदर्शी कार्यप्रणाली एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण की पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद भाटापारा के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद को मजबूत करने वाला प्रभावी मंच बनकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ संवेदनशीलता, पारदर्शिता और सरल प्रक्रिया के माध्यम से पहुँचे। नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा- सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच संवाद का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। शासन की मंशा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ पहुँचे। जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान एवं क्षेत्र के समग्र विकास हेतु लगातार सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले समय में भी नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए नगर पालिका प्रतिबद्ध होकर कार्य करती रहेगी। हमारा लक्ष्य है कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुँचे और प्रत्येक नागरिक को सुशासन का प्रत्यक्ष अनुभव हो। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन को जनसहभागिता, पारदर्शिता एवं त्वरित प्रशासनिक समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना गया।

इस अवसर पर साथ मे सभापति गोविंद पटेल संतीश तलरेजा कुंजराम कोशले मनीष मिश्रा पार्षद संतीश साहू नंदू वैष्णव श्रेणिक गोलछा बब्बू मंधान बंटी टंडन गेन्दू साहू ठाकुरराम साहू उमाशंकर वर्मा गोवर्धन डहरिया राजेश साहू लिकेश साहू देवेंद्र साहू कीर्तन जायसवाल एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल से रंजना साहू की अहम

जिला अस्पताल के कायाकल्प पर बनी बात

धमतरी। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से उनके शासकीय कार्यालय में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना साहू ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच धमतरी जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। साहू ने मंत्री को धमतरी की जनता के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से अवगत कराया और जिला अस्पताल में सुविधाओं के विस्तार, डॉक्टरों की कमी दूर करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने का आग्रह किया।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने आश्वस्त किया कि हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे.. के संकल्प के साथ धमतरी सहित पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धमतरी की जनता को बेहतर इलाज मिले, इसके लिए विभाग पूरी गंभीरता से काम करेगा। इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

भोयना में आयोजित हुआ विकसित कृषि संकल्प अभियान

धमतरी। ग्राम पंचायत भोयना में विकसित कृषि संकल्प यात्रा के अंतर्गत किसान सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सभापति एवं कृषि स्थाई समिति के सदस्य मोनिका देवांगन प्रमुख रूप से उपस्थित रही। ग्राम के सरपंच पारथी ध्रुव, उपसरपंच अशोक देवांगन, पंच सुलोचना देवांगन, गीता मरकाम, किसान मित्र रामकन्हैया साहू भोयना, गणपत मंडावी बरारी, ग्रामीणजन कृषक सहित लगभग 55 की संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कृषि एवं संबद्ध विभागों के अधिकारियों द्वारा किसानों को उन्नत एवं वैज्ञानिक खेती संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में कृषि विभाग से एच एस तिग्गा सहायक संचालक रायपुर, उमा श्रीमाली एसएडीओ धमतरी, प्रहलाद नागवंशी कृषि विकास अधिकारी अछोटा, रवेन्द कश्यप सहायक संचालक मिट्टी परीक्षण धमतरी, एच आर ध्रुव वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, गुनिका साहू ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी भोयना उपस्थित रहे। उद्यानिकी विभाग से राहुल साहू, मछली पालन विभाग से प्रियंका ध्रुव, कृषि विज्ञान केंद्र से दीपिका चन्द्रवंशी, मनीषा खापर्डे, सहकारिता विभाग से सोमेन्द्र साहू, वीरेंद्र सिन्हा समिति प्रबंधक अछोटा, एआईसी फसल बीमा से धर्मेंद्र साहू, सभी अधिकारी ने अपने विभाग की योजनाओ की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान किसानों को हरी खाद के उपयोग, उन्नत एवं पुष्ट बीजों के चयन, बीजोपचार की विधि, संतुलित उर्वरक उपयोग तथा 17 प्रतिशत नमक घोल विधि द्वारा बीज उपचारित करके दिखाया गया। साथ ही समसामयिक कृषि सलाह एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। अधिकारियों ने किसानों से आधुनिक तकनीकों को अपनाकर उत्पादन एवं आय बढ़ाने की अपील की। किसानों ने भी कृषि विशेषज्ञों से संवाद कर अपनी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

भाजपा सरकार सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने निरंतर कार्य कर रही : प्रवीण दुबे

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी सहकारिता प्रकोष्ठ जिला धमतरी की कार्यसमिति गठन पश्चात महत्वपूर्ण बैठक भाजपा जिला कार्यालय धमतरी में सम्पन्न हुई। बैठक में सहकारिता प्रकोष्ठ के कार्यसमिति सदस्यों, सहकारी समितियों के प्राधिकृत अधिकारियों एवं भाजपा पदाधिकारियों की उपस्थिति में संगठनात्मक विषयों, सहकारिता गतिविधियों के विस्तार तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित नेताओं ने सहकारिता आंदोलन को गांव.गांव तक मजबूत करने तथा सहकारिता के माध्यम से किसानों, ग्रामीणों एवं आम नागरिकों को अधिकाधिक लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। साथ ही कार्यकर्ताओं को संगठन की रीति.नीति के अनुरूप सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर प्रदेश सहकारिता प्रकोष्ठ संयोजक प्रवीण दुबे ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक व्यवस्था नहीं बल्कि सामाजिक सहभागिता और सामूहिक विकास का मजबूत माध्यम है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं। रायपुर संभाग संयोजक नेतराम निषाद ने कहा कि सहकारिता प्रकोष्ठ संगठन और समाज के बीच मजबूत कड़ी का कार्य करता है। उन्होंने कार्यसमिति सदस्यों से गांव स्तर तक संगठन को सक्रिय करने और सहकारिता से जुड़े लोगों के साथ सतत संवाद बनाए रखने का आह्वान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रकाश बैस ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित संगठन है और प्रत्येक प्रकोष्ठ संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र किसानों एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और भाजपा इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद ने कहा कि सहकारिता की भावना समाज में सामूहिक विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क बढ़ाने एवं सहकारिता योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का आग्रह किया। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रंजना साहू ने कहा कि भाजपा संगठन समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की विचारधारा पर कार्य करता है। उन्होंने सहकारिता प्रकोष्ठ को संगठन की महत्वपूर्ण इकाई बताते हुए कार्यकर्ताओं से सेवा और समर्पण भाव से कार्य करने की अपील की। महापौर रामू रोहरा ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने संगठनात्मक मजबूती एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने पर जोर दिया। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ठाकुर शशि पवार, भाजपा जिला महामंत्री महेंद्र पंडित, राकेश साहू एवं सहकारी भारती प्रदेश मंत्री दयाराम साहू ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठनात्मक एकजुटता एवं सक्रियता पर बल दिया। बैठक में संयोजक रूपचंद साहू, सहसंयोजक अमर पटेल, तरूण साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यसमिति सदस्य एवं विशेष आमंत्रित सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी उमेश साहू द्वारा दी गई।

विक्षिप्त महिला ने फेंका हनुमान जी की मूर्ति

भाटापारा। सूचना मिला कि हटरी बाजार भाटापारा स्थित एक मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा को फेंक दिया गया है, कि सूचना पर थाना भाटापारा शहर का पुलिस बल तत्काल घटना स्थल पहुंचा। पुलिस द्वारा घटनास्थल निरीक्षण पर पाया गया कि हनुमान जी का एक छोटा मंदिर है, जिसमें हनुमान जी की दो मूर्तियां स्थापित है, जिसमें दोनों मूर्तियों को अपने स्थान से हटाकर मंदिर में ही फेंक दिया गया है तथा मूर्तियों में पहने लंगोट कपड़े को भी अलग कर दिया गया है। तत्पश्चात पुलिस द्वारा तुरंत मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन किया गया, जिसमें एक विक्षिप्त महिला द्वारा मंदिर अंदर घुसकर हनुमान जी की प्रतिमा को फेंकना पाया गया है। तत्संबंध में हनुमान जी की प्रतिमा को फेंकने वाले आरोपी के रूप में विक्षिप्त महिला की पहचान हो गई है। पुलिस द्वारा उक्त विक्षिप्त महिला को माननीय न्यायालय के आदेश उपरांत मानसिक सुधार केंद्र सेंदरी बिलासपुर भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

सुशासन तिहार के आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय.सीमा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि सुशासन तिहार के तहत आयोजित शिविरों में प्राप्त जनआवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में अब तक आयोजित शिविरों में प्राप्त एवं निराकृत आवेदनों की विभागवार समीक्षा की गई तथा लंबित प्रकरणों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर मिश्रा ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को मैदानी क्षेत्रों में सतत भ्रमण कर पेयजल संकटग्रस्त ग्रामों में समुचित पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी पेयजल समस्या, हैंडपंप खराबी, विद्युत आपूर्ति बाधित होने अथवा अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित शिकायतें प्राप्त हों, उनका तत्काल निराकरण किया जाए। उन्होंने हैंडपंपों की नियमित मरम्मत, जल स्रोतों की सतत निगरानी तथा आवश्यकतानुसार वैकल्पिक पेयजल व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर ने क्रेडा अधिकारियों को विशेष रूप से डुबान क्षेत्र में खराब पड़े सौर ऊर्जा पंपों की मरम्मत कराने तथा वारंटी अवधि वाले पंपों को शीघ्र दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। वहीं कार्यपालन अभियंता विद्युत को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लो.वोल्टेज तथा विद्युत अप.डाउन की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने कहा। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने चना खरीदी, खाद एवं बीज की उपलब्धता की जानकारी ली। कृषि अधिकारी ने बताया कि जिले में लक्ष्य से अधिक चना खरीदी की जा चुकी है। कलेक्टर ने किसानों को समय पर खाद.बीज उपलब्ध कराने तथा खरीफसीजन की तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु विभिन्न अधिकारियों द्वारा गोद ली गई आंगनबाड़ियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर भवन की स्थिति, पेयजल व्यवस्था, शौचालयों की स्वच्छता, साफसफाई, बच्चों को समय पर गर्म एवं पौष्टिक भोजन तथा रेडी.टू.ईट खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने बच्चों में कुपोषण की स्थितिए टीकाकरण की प्रगति एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी लेकर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केंद्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग शतिन्द्र चहल एवं उप संचालक सांख्यिकी सीमा पाठक का कलेक्टर ने अभिनंदन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फील्ड भ्रमण के दौरान संबंधित आंगनबाड़ी केंद्रों का अनिवार्य रूप से निरीक्षण करें तथा ग्राम सचिव एवं सरपंच के साथ सतत समन्वय बनाए रखें। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों के खेल.खिलौनों एवं छोटी.छोटी आवश्यकताओं पर संवेदनशीलता के साथ ध्यान दिया जाए जिससे उनके स्वास्थ्य, पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा को बेहतर वातावरण मिल सके। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, आदिवासी विकास, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, लोक निर्माण, पीएमजीएसवाई, जल संसाधन एवं शहरी विकास विभागों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र ठाकुर, अपर कलेक्टर इंदिरा नवीन सिंह सहित सभी एसडीएम एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सुशासन तिहार के जरिए अब घर-घर पहुंच रही है सरकार की योजनाएं

वटगन शिविर में जोगी राम को त्वरित मिला आयुष्मान वय वंदन कार्ड'

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ में सुशासन का संकल्प अब धरातल पर साकार होता दिखाई दे रहा है, जहां सरकारी योजनाएं फाइलों से निकलकर सीधे जरूरतमंदों के हाथों तक पहुंच रही हैं। इसी कड़ी में सुशासन तिहार के पर पलारी ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत वटगन में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर आम जनता के लिए वरदान साबित हुआ। इस शिविर की सफलता का जीवंत उदाहरण तब देखने को मिली जब जोगी राम वर्मा ने अपनी समस्या को लेकर आवेदन प्रस्तुत किया। प्रशासन की सक्रियता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अधिकारियों ने उनके आवेदन पर तत्काल कार्रवाई की और देखते ही देखते उन्हें आयुष्मान वय वंदन कार्ड बनाकर सौंप दिया। अपने हाथ में स्वास्थ्य सुरक्षा का यह मजबूत कवच पाकर जोगी राम वर्मा के चेहरे पर मुस्कान आ गई। उन्होंने इस त्वरित सहायता के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की यह पहल बुजुर्गों के सम्मान और स्वास्थ्य के प्रति उनकी गंभीर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शिविर के माध्यम से बिना किसी दफ्तर के चक्कर लगाए मौके पर ही कार्ड मिल जाना सुशासन की असली परिभाषा को चरितार्थ करता है। यह वाकया न केवल प्रशासनिक तत्परता को उजागर करता है, बल्कि यह भी बताता है कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में प्रदेश का अंतिम व्यक्ति अब खुद को सशक्त और मजबूत महसूस कर रहा है।

फर्जी तरीके से राशि आहरण मामले में संलिप्त अधिकारियों पर हो एफआईआर : विनोद चंद्राकर

महासमुंद। पूर्व संसदीय सचिव छ.ग.शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुमगाँव में शून्य बढ़ाकर लाखों रु. की राशि आहरण तथा शास. उच्च. माध्य. विद्यालय सिरपुर में सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी द्वारा स्वयं का नाम व्याख्याता में में दर्ज कर अधिक वेतन राशि आहरण मामले में जाँच कर मामले में संलिप्त समस्त दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। चंद्राकर ने कहा कि कर्मचारियों द्वारा शासकीय धनराशि का गमन एक गंभीर भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। ऐसे में केवल कुछ कर्मचारियों को निलंबित कर मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया जा रहा है। जबकि, इन प्रकरणों में सूक्ष्म जाँच करने पर अन्य लोगों की संलिप्तता भी सामने आएगी। उन्होंने आगे कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तुमगांव में लंबे समय से वेतन आहरण के नाम पर लगातार शासकीय राशि की फर्जी तरीके से वेतन में 0 बढ़ाकर लाखों में राशि का आहरण किया गया है। बी.एम.ओ. एवं लेखापाल तथा जिला कोषालय के अधिकारी-कर्मचारी एकराय होकर फर्जी तरीके से राशि विभिन्न कर्मचारियों के नाम से निकाली गयी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तुमगांव वर्ष 2019 से डी.डी.ओ. कोड क्र. 11 से स्वतंत्र तौर पर आहरण एवं वितरण का कार्य हो रहा है। तत्कालीन एवं वर्तमान बी.एम.ओ., तत्कालीन एवं निलंबित लेखापाल किशोर चौहान, आरती बंजारे द्वारा लोकनाथ चंद्राकर एम.पी.डब्ल्यु उप स्वास्थ्य केन्द्र पचरी को 16,31,952 लाख रूपये, सुरेश जांगड़े भृत्य को 33,98,044 लाख रू. एवं भागसिंह दीवान स्वीपर को 17,19,00 लाख रूपये मूल वेतन के अतिरिक्त कुल राशि 67,48,946 लाख रू. का भूगतान वेतन देयक में 0 (शुन्य) बढ़ाकर किया गया है। आर्थिक गबन में अभी तक केवल लेखापाल किशोर चौहान एवं जिनके खाते में अतिरिक्त वेतन दिया गया है, उन्हें निलंबित किया गया है। शेष अधिकारीयों एवं कर्मचारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि वेतन देयक बिल जब जिला कोषालय में सम्मिलित किया जाता है, तत्पश्चात् सेक्सन के लिपिक एवं ए.टी.ओ. द्वारा निरिक्षण पश्चात् जिला कोषालय अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत होकर पास किया जाता है। तत्पश्चात् कर्मचारियों के खाते में रकम भेजी जाती है। जिला कोषालय के अधिकारी कर्मचारी भी इस फर्जीवाड़े में पुर्णतः संलग्न है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018-19 में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मैनपुर जिला गरियाबंद में इसी तरह का फर्जी बिल सम्मिलित कर जिला कोषालय से राशि आहरण की गयी थी। विधायक रहते मेरे द्वारा ही विधानसभा में प्रश्न के माध्यम से जानकारी चाही गयी थी।

इंदिरा मार्केट में 17.35 करोड़ की लागत से बनेगा मल्टीलेवल पार्किंग

298 कार पार्किंग की होगी सुविधा,महापौर बाघमार ने किया स्थल निरीक्षण

दुर्ग/ पुराना बस स्टैंड स्थित इंदिरा मार्केट में 17.35 करोड़ की लागत से बनेगा मल्टीलेवल पार्किंग जिसके लिए महापौर अलका बाघमार ने निगम अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान महापौर ने अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसी को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य प्रारंभ कर गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य पूर्ण कराया जाए ताकि शहरवासियों को शीघ्र बेहतर पार्किंग सुविधा उपलब्ध हो सके।

इस दौरान महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शहर में लगातार बढ़ते यातायात एवं बाजार क्षेत्र में पार्किंग की समस्या को देखते हुए मल्टीलेवल पार्किंग परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस परियोजना के पूर्ण होने से इंदिरा मार्केट एवं पुराना बस स्टैंड क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुगम होगी तथा आम नागरिकों, व्यापारियों एवं बाहर से आने वाले लोगों को व्यवस्थित पार्किंग सुविधा मिल सकेगी।

उन्होंने कहा कि निगम द्वारा शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं यातायात सुधार के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। मल्टीलेवल पार्किंग बनने से सड़क किनारे अव्यवस्थित पार्किंग पर नियंत्रण लगेगा तथा बाजार क्षेत्र में जाम की स्थिति से भी राहत मिलेगी।

प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग परियोजना बेसमेंट, ग्राउंड एवं दो फ्लोर सहित निर्मित की जाएगी।

परियोजना में लगभग 298 कार पार्किंग क्षमता विकसित की जाएगी। इसके अतिरिक्त परिसर में 11 दुकानों का भी निर्माण किया जाएगा, जिससे नागरिक सुविधाओं के साथ व्यावसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

17 करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से बनने वाली इस परियोजना की निर्माण अवधि 18 माह निर्धारित की गई है। निरीक्षण के दौरान महापौर ने अधिकारियों को तकनीकी गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर,निलेश अग्रवाल,हर्षिका संभव जैन,कार्यपालन अभियंता प्रकाश चंद थवानी,राजेन्द्र ढबाले,पंकज साहू,सिद्धार्थ साहू सहित ठेकेदार सहित निगम के संबंधित अधिकारी, लोककर्म विभाग के कर्मचारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे ।

दुर्ग में झारखंड के अंतरराज्यीय अफीम तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़

15 लाख की अफीम के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग पुलिस की कुम्हारी थाना टीम ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय अफीम तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने झारखंड से छत्तीसगढ़ में अफीम लाकर बेचने वाले दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 15 लाख रुपये मूल्य की अवैध अफीम बरामद की गई है।

पुलिस को कुम्हारी और बीएसपी कॉलोनी क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ अफीम की खरीदी-बिक्री की पुख्ता सूचना मिली थी। इस पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पहले संदेही राजकेश्वर साहू को हिरासत में लिया। विवेचना के दौरान मोबाइल कॉल डिटेल (CDR), आपसी संपर्कों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को खंगालने पर 'एंड टू एंड' (शुरुआत से अंत तक) बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि यह गिरोह झारखंड से भारी मात्रा में अफीम लाकर दुर्ग और आसपास के क्षेत्रों में खपाता था। झारखंड के दो आरोपी गिरफ्तार पुलिस ने मामले में संलिप्त मुख्य आरोपी सुरेंद्र साहू को भी दबोच लिया। पकड़े गए दोनों आरोपी मूल रूप से झारखंड के रहने वाले हैं. सुरेंद्र साहू उर्फ सुंदर साहू (32 वर्ष) - निवासी ग्राम लांजी हुडराटोली, थाना व जिला गुमला (झारखंड)। राजकेश्वर साहू (32 वर्ष) - निवासी ग्राम लांजी चौकी, थाना व जिला गुमला (झारखंड)।

15 लाख की अफीम और नगदी जप्त पुलिस ने आरोपियों के पास से अवैध मादक पदार्थ अफीमः कीमत लगभग ?15, लाख रुपये,नगदी रकमः 8,000 (आठ हजार रुपये)।तस्करी में प्रयुक्त मोबाइल फोन। एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई, अन्य सहयोगियों की तलाश जारी कुम्हारी पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 89/2026, धारा 18(ख), 27(क) और 29 एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार तस्करों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

नशे के सौदागर शहर में बेख़ौफ़ परोस रहे नशा

धमधा नाका सब्जी मंडी के पास गांजा बेचते आरोपी गिरफ्तार

1 लाख रूपये का माल जप्त

दुर्ग। पुलिस की लगातार सक्रियता के बावजूद नशे का कारोबार थम नहीं रहा है. नशे के सौदागर शहर में बेख़ौफ़ नशा परोस रहे है। दुर्ग पुलिस ने फिर मुखबिर की सुचना पर तस्कर को गिरफ्तार किया है ।

मोहन नगर थाना पुलिस ने धमधा नाका सब्जी मंडी के पास अवैध रूप से गांजा बेचने की फिराक में घूम रहे एक शातिर तस्कर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से दो किलोग्राम से अधिक गांजा और नगदी रकम जप्त की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 12 मई को मोहन नगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सब्जी मंडी धमधा नाका के पास एक युवक नशीला पदार्थ लेकर ग्राहक की तलाश कर रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदेही को धर दबोचा। आरोपी के पास से 2 किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अवैध लाभ कमाने के उद्देश्य से गांजा बेचना स्वीकार किया। आरोपी की पहचान विकास यादव उर्फ लासा (19 वर्ष), निवासी ग्रीन चौक दुर्ग के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से:2.064 किलोग्राम अवैध गांजा 740 रुपये नगद बिक्री रकम जप्तकिया है जिसकी कीमत लगभग 1,00,740 रुपये आंकी गई है।

पुलिस ने आरोपी विकास यादव के खिलाफ अपराध क्रमांक 323/2026, धारा 20(ख) और 27(क) एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

खुर्सीपार में समर कैंप का भव्य आगाज; खिलाड़ियों ने खेल भावना की शपथ लेकर उड़ाए गुब्बारे, सुमित सिंह ने किया उद्घाटन

भिलाई/दुर्ग। खेल प्रतिभाओं को निखारने और बच्चों को छुट्टियों में खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिए खुर्सीपार के श्रीराम चौक ग्राउंड में भव्य 'समर कैंप' (ग्रीष्मकालीन शिविर) की शुरुआत हुई। 10 मई को सुबह सात बजे आयोजित इस उद्घाटन समारोह का नेतृत्व खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुमित सिंह के दिशा-निर्देश में किया गया।

कई क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों खिलाड़ी- इस समर कैंप को लेकर स्थानीय बच्चों और युवाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। कैंप के पहले ही दिन खुर्सीपार, छावनी, बैकुंठ धाम, जवाहर नगर और सेक्टर-1 सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ों खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। उद्घाटन के दौरान मैदान खेल के रंग में रंगा नजर आया।

इन खेलों का मिलेगा प्रशिक्षण- आयोजकों ने बताया कि इस शिविर में बच्चों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने और खेल की बारीकियां सिखाने के लिए कई विधाओं को शामिल किया गया है। कैंप के दौरान अनुभवी कोच द्वारा खिलाड़ियों को क्रिकेट, योग, कराटे, बैडमिंटन, बॉक्सिंग और वॉलीबॉल का नियमित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शपथ और गुब्बारे उड़ाकर शुरुआत- समारोह की शुरुआत में सभी विधाओं के खिलाड़ियों ने पूरी खेल भावना और अनुशासन के साथ खेलने की शपथ ली। इसके बाद मुख्य अतिथियों और बच्चों ने हवा में रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर कैंप का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान उपस्थित पालकों ने भी खेल प्रकोष्ठ के इस प्रयास की सराहना की।

वरिष्ठ जन रहे उपस्थित- इस गरिमामय खेल आयोजन के अवसर पर खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुमित सिंह के साथ गुड्डू खान, डी. कामराजू, अजहर अली, शंकर राव और माधव विशेष रूप से उपस्थित रहे। खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देने के लिए मुख्य प्रशिक्षक (कोच) नीरज चौधरी, जितेंद्र, चंदन शर्मा, वी.पी. सिंह और विमल भी मैदान में डटे रहे। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन नाग सर द्वारा किया गया।

पाटन के बेलौदी में उल्टी-दस्त का प्रकोप; स्वास्थ्य विभाग ने संभाला मोर्चा, मिले 7 नए मरीज

दुर्ग। पाटन विकासखण्ड के ग्राम बेलौदी में उल्टी-दस्त (डायरिया) फैलने की सूचना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने प्रभावित इलाके में डेरा डाल दिया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. मनोज दानी के निर्देश पर जिला सर्वलेंस अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे और पाटन बीएमओ डॉ. भुनेश्वर कठौतिया समेत विशेषज्ञों की टीम ने बुधवार को गांव का औचक दौरा किया।180 घरों का सर्वे, अब तक 56 प्रभावितस्वास्थ्य अमले द्वारा प्रभावित क्षेत्र में लगातार एक्टिव सर्वेलेंस और घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है। बुधवार को टीम ने कुल 180 घरों की जांच की, जिसमें उल्टी-दस्त के 7 नए मरीजों की पहचान हुई। अधिकारियों के मुताबिक, बीते 11 मई से अब तक गांव में कुल 56 मरीज सामने आ चुके हैं।11 मरीज अस्पतालों में भर्ती, स्थिति नियंत्रण मेंराहत की बात यह है कि संक्रमण से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। कुल मरीजों में से 11 का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। इनमें से 4 मरीज सीएचसी पाटन, 2 जिला अस्पताल, 3 सेलूद अस्पताल, 1 आस्था अस्पताल और 1 मरीज महिमा अस्पताल में भर्ती हैं। बाकी बचे 45 मरीजों का डॉक्टरों की निगरानी में घर पर ही इलाज चल रहा है।स्वास्थ्य विभाग की ग्रामीणों से अपीलःहमेशा पानी को अच्छी तरह उबाल कर ही पिएं।बासी या सड़े-गले फल और सब्जियों का सेवन बिल्कुल न करें।उल्टी या दस्त के लक्षण दिखते ही तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र जाएं।बिना डॉक्टरी सलाह के कोई भी दवा खुद से न लें।

स्वत्वाधिकारी , प्रकाशक, एवं मुद्रक ज्वाला प्रसाद अग्रवाल द्वारा असमा पब्लिशर्स प्रा. लि. जयस्तंभ चौक, रायपुर, पिन - 492001 छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं झुलेलाल मंदिर के पीछे, पाटनकर कालोनी, सिंधी कालोनी, दुर्ग पिन- 491001 (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - ज्वाला प्रसाद अग्रवाल । e mail - jwalaexpress@gmail.com , मोबाईल- 9993590905, 7000489995